महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

सुविचार

फिर शुरुआत करने से मत डरिए, क्योंकि इस बार अनुभव की ताकत आपके साथ है

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 322 | उज्जैन, सोमवार 04 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

सलीम डोला नेटवर्क का खुलासा, केमिकल और फार्मा डीलरों से जुड़े तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। हाल ही में तुर्किये से वापस लाए गए अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के नेटवर्क की जांच कर रहे अधिकारियों ने पाया है कि उसके कुछ रासायनिक व्यापारियों और फार्मा डीलरों से संबंध हैं, जो इस अवैध अंतरराष्ट्रीय रैकेट में सहायता कर रहे थे। यह आतंकी दाऊद इब्राहीम का प्रमुख सहयोगी माना जाता है। 8 मई तक मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में है। उसकी महाराष्ट्र और गुजरात में हेरोइन, चरस, मेफेड्रोन, मंड्रैक्स और मेथामफेटामाइन की कई उच्च-मूल्य की जब्तियों में प्रत्यक्ष संलिप्तता शामिल है। उसे 2024 में एनसीबी द्वारा इंटरपोल को भेजे गए अनुरोध के आधार पर तुर्किये में गिरफ्तार किया गया था, जिसने एक नोटिस जारी किया और उसे पिछले सप्ताह दिल्ली लाया गया। जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ नेटवर्क में डोला को मेफेड्रोन किंग के रूप में पहचाना गया है, क्योंकि उसे इस श्रेणी के मादक पदार्थों की तस्करी में व्यापक विशेषज्ञता प्राप्त है। डोला अपने सिंडिकेट को चलाने के लिए कुछ रासायनिक व्यापारियों की मदद ले रहा था। इन संबंधों की जांच की जा रही है और इनमें से कुछ खिलाड़ियों को निकट भविष्य में पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि डोला ने तुर्किये में हमजा और अब्दुल जैसे उपनाम अपनाए और वह उस देश में नागरिकता प्राप्त करने के लिए कुछ अचल संपत्तियां खरीदने की योजना बना रहा था। केंद्रीय एंटी-नारकोटिक्स एजेंसी तुर्किये अधिकारियों से उसके निवास के विवरण प्राप्त करने के लिए एक कानूनी अनुरोध करने की उम्मीद कर रही है।

देहरादून एयरपोर्ट पर मौसम की मारः दिल्ली-मुंबई की उड़ानें डायवर्ट, यात्रियों को हुई परेशानी

नई दिल्ली/ जीएनएस। रविवार को मौसम में अचानक आए परिवर्तन का असर देहरादून एयरपोर्ट पर भी देखने को मिला। सुबह कम दृश्यता व तेज आंधी तूफान के चलते दिल्ली व मुंबई की उड़ान को दिल्ली के लिए डायवर्ट करना पड़ा। दोपहर में मौसम साफ होने पर यह उड़ाने एयरपोर्ट पहुंची। एयरपोर्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 9.55 पर आने वाली एअर इंडिया की मुंबई की उड़ान व सुबह 10.20 पर एअर इंडिया की दिल्ली से आने वाली उड़ान को कम दृश्यता के चलते दिल्ली एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट किया गया। इसके अलावा सुबह 9.50 पर इंडिगो की दिल्ली से आने वाली उड़ान 10.41 पर एयरपोर्ट पहुंची। जबकि इंडिगो की जयपुर से सुबह 11.25 पर आने वाली उड़ान 11.45 पर, एअर इंडिया एक्सप्रेस की मुंबई से दोपहर 12.45 पर आने वाली उड़ान दोपहर 1.03 पर पहुंची। वहीं एअर इंडिया की दोपहर 2.20 पर मुंबई से आने वाली उड़ान 2.38 पर एयरपोर्ट पहुंची। वहीं एअर इंडिया की शाम 4.35 पर दिल्ली से आने वाले उड़ान 4.55 पर एयरपोर्ट पहुंची। डोईवाला में रविवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। तेज अंधड़ और बारिश से आम-लीची की फसल को नुकसान पहुंचा, जबकि कई क्षेत्रों में खेतों में खड़ी और कटी गेहूं की फसल भी भीग गई। आंधी के कारण आम और लीची के पेड़ों से बड़ी संख्या में छोटे फल टूटकर गिर गए, जिससे बागवानी किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। सुबह करीब नौ बजे शुरू हुई तेज बारिश और अंधड़ से सड़कों पर सन्नाटा पसर गया और वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। तेज हवा से कई स्थानों पर पेड़ गिरने के कारण आठ घंटे से अधिक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2360 करोड़ की लागत के इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण को किया भूमि-पूजन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है। प्रदेश में अधिकाधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के जरिए उत्पादन गतिविधियों का विस्तार और निर्यात वृद्धि हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हम उद्योग-धंधों को बढ़ावा देकर प्रदेश के औद्योगिक विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश की प्रगति का नया अध्याय है। यह कॉरिडोर सच्चे अर्थों में नये मध्यप्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालवा के किसान हमेशा कमाल करते हैं। प्रदेश के विकास में विशेषकर मालवा क्षेत्र के किसानों का सहयोग और समर्पण अनुकरणीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को इंदौर जिले में ग्राम नैनोद में इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना के तहत 2360 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण के कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह इकोनॉमिक कॉरिडोर यहां की नई संभावनाओं, नए सपनों और नए अवसरों का गेट-वे है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह कॉरिडोर इंदौर-पीथमपुर औद्योगिक प्रक्षेत्र सहित पूरे मालवांचल के विकास को नई गति देगा। साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर के निर्माण से उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उत्पादन लागत में कमी आयेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण में सड़क, परिवहन और औद्योगिक ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इस कॉरिडोर से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए मध्यप्रदेश को एक आकर्षक गंतव्य बनाएगा तथा बेहतर कनेक्टिविटी के साथ आधुनिक अधोसंरचनाओं से लैस यह क्षेत्र जल्द ही देश के प्रमुख इंडस्ट्रियल हब के रूप में अपनी पहचान बनायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लगभग 2360 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहा यह कॉरिडोर प्रोजेक्ट प्रदेश को निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। करीब 20 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर इंदौर की व्यावसायिक क्षमता और पीथमपुर के औद्योगिक सामर्थ्य के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित करेगा। इससे लॉजिस्टिक्स की लागत घटेगी और मार्केट में तेजी आएगी। इस परियोजना से 5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और 1 लाख अप्रत्यक्ष, रोजगार सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना में किसानों के हितों को केंद्र में रखते हुए 60 प्रतिशत विकसित भूमि वापस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे अब वे विकास प्रक्रिया में भागीदार भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज यदि हमारा मध्यप्रदेश उद्योगों के उजालों से रौशन हो रहा है, तो इसमें किसानों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीनें सरकार को दीं। हमने किसानों की बात सुनी। उनका समर्थन पाया और उन्हें इस कॉरिडोर के निर्माण में भागीदार भी बनाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कॉरिडोर निर्माण में करीब 650 करोड़ रुपये के विकसित प्लॉट किसानों को दिए गए। इससे वे भी विकास के इस महायज्ञ में भागीदार बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसानों की सरकार है। किसानों को कोई भी कष्ट नहीं आने देंगे। अब हम किसानों को चार गुना मुआवजा देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसानों द्वारा पैदा किए गए गेहूं का दाना-दाना खरीदेंगे। इस उपार्जन सत्र में 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जाएगा। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली प्रदाय के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसानों को दिन में ही बिजली देने की व्यवस्था कर रहे हैं। इससे उन्हें खेतों में रतजगा नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ में बीते सभी सिंहस्थों के रिकॉर्ड टूटेंगे। हम ऐसी सभी व्यवस्थाएं कर रहे हैं। इन्दौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर में बनने वाली सड़कों से सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन एवं अन्य प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा कॉरिडोर है, जिससे किसान, ग्रामीण, युवा, उद्योगपति, उद्यमी, लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता सभी को लाभ होगा। यह कॉरिडोर क्षेत्र के विकास का नया रिकॉर्ड कायम करेगा।

कार्यक्रम के दौरान 60 प्रतिशत विकसित भूमि किसानों को वापस देने तथा किसानों को चार गुना मुआवजा देने के राज्य सरकार के ऐतिहासिक निर्णय के लिए क्षेत्रीय किसानों, ग्रामीणों और सरपंचों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा पहनाकर एवं बड़ी गजमाला से आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया। किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि देवता भगवान बलराम का चित्र एवं पवित्र हल भेंटकर आभार जताया। इस अवसर पर क्षेत्रीय किसानों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन को इस कॉरिडोर में भूमि देने के लिए अपना सहमति पत्र प्रदान किया। इसी दौरान किसानों को कॉरिडोर में विकसित भूखंडों के अलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए गए।

डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों के इलाज में अब आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा, पूरे देश में फ्री में होगा उपचार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बचपन जब बीमारी की जकड़ में आता है, तो दर्द सिर्फ बच्चे को नहीं, पूरे परिवार को होता है। भारत में टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों और उनके अभिभावकों की इसी पीड़ा को समझते हुए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बाल मधुमेह की स्क्रीनिंग, निदान और उपचार के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचा जारी किया है। यह पहल न केवल चिकित्सा जगत में एक मील का पत्थर है, बल्कि उन हजारों परिवारों के लिए उम्मीद की एक नई किरण है जो महंगे इलाज के बोझ तले दबे थे। इस नई नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अब सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों के लिए मधुमेह का उपचार पूरी तरह से निश्शुल्क होगा। मुफ्त इलाज और फोर टी का सुरक्षा कवच इस पहल के तहत स्क्रीनिंग और डायग्नोसिस से लेकर जीवनभर चलने वाली इंसुलिन थेरेपी, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप्स तक सब कुछ मुफ्त प्रदान किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है - आर्थिक तंगी किसी भी बच्चे के इलाज में बाधा नहीं बननी चाहिए। जागरूकता बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने फोर टी का मंत्र दिया है, जिससे माता-पिता और शिक्षक लक्षणों को पहचान सकें। टायलेट - सामान्य से अधिक बार पेशाब आना। थ?र्स्टी - बार-बार प्यास लगना। टायर्ड - हर समय थकान महसूस करना। थिनर - अचानक वजन का कम होना। इन संकेतों के आधार पर संदिग्ध मामलों की तत्काल रक्त जांच की जाएगी और जिला अस्पतालों में उनका पुख्ता इलाज शुरू होगा।

सभी बच्चों की होगी स्क्रीनिंग- स्कूल से अस्पताल तक- देखभाल का अटूट चक्र इस ढांचे के तहत, जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के सभी बच्चों की स्क्रीनिंग सामुदायिक और स्कूल-आधारित प्लेटफार्मों के माध्यम से की जाएगी। सरकार ने एक ऐसी व्यवस्था तैयार की है जिसमें गांव के स्वास्थ्य केंद्र से लेकर मेडिकल कालेज तक, मरीज की देखभाल का एक इंटीग्रेटेड कंटिन्यूम होगा। यानी, एक बार बीमारी पकड़े जाने के बाद बच्चे का साथ तब तक नहीं छोड़ा जाएगा, जब तक वह पूरी तरह व्यवस्थित प्रबंधन के दायरे में न आ जाए।

दिल्ली में आग का अलामर्ः 4 साल में 346 लोगों की मौत, हर साल बढ़ रहा खतरा

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजधानी में आग की घटनाएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं और इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। अग्निशमन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले चार वर्षों में आग लगने की घटनाओं में झुलसकर 346 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और जागरूकता पर कई सवाल खड़े करता है। हालांकि, इसी अवधि में दमकल विभाग की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई के चलते 2,747 लोगों की जान बचाई गई है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचकर न केवल आग पर काबू पाते हैं, बल्कि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम भी करते हैं।

पालम इलाके में हुए भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई थी, जिनमें महिलाएं और तीन मासूम बच्चियां शामिल थीं।

अलीपुर स्थित एक पेंट फैक्ट्री में लगी भीषण आग में 11 लोगों की जलकर मौत हो गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

कहां से आते हैं ऐसे लोग... चलती ट्रेन में फाड़ी सीटें, वीडियो वायरल

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय रेलवे की संपत्ति क नुकसान पहुंचाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक युवक चलती ट्रेन में जान-बूझकर सीट को फाड़ते हुए नजर आ रहा है। जिसे देखकर साथी यात्री और सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हो गए हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने कते बाद लोगों ने रेलवे सुरक्षा बल और रेल मंत्रालय को टैग करना शुरू कर दिया है, जिसमें इस असामाजिक तत्व की पहचान कर उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और भारी जुर्माने की मांग कर रहे हैं।

आधार कार्ड नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई...

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथारिटी आफ इंडिया को निर्देश देने की मांग संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें नए आधार कार्ड केवल छह वर्ष तक की आयु के नागरिकों को ही जारी किए जाए।

किशोरों और वयस्कों के लिए इसे जारी करने के सख्त दिशा-निर्देश बनाने की मांग की है ताकि घुसपैठियों को भारतीय नागरिकों के रूप में छिपने से रोका जा सके। सर्वोच्च न्यायालय की सूची के अनुसार 4 मई को यह याचिका मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगी। वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका में अधिकारियों को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वे सामान्य सेवा केंद्रों पर डिस्प्ले बोर्ड लगाएं। इसमें यह स्पष्ट हो कि 12 अंकों की अद्वितीय पहचान संख्या केवल पहचान का प्रमाण है और नागरिकता, पते या जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है।

भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारीः नितिन नवीन की नई टीम में किस-किसको मिलेगी जगह, तीन नाम सबसे आगे

नई दिल्ली/ जीएनएस। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरे होते ही नितिन नवीन की नई टीम का एलान हो जाएगा। मोटे तौर पर टीम की रूपरेखा तैयार हो गई है, विधानसभा चुनाव परिणामों के अनुरूप इनमें थोड़ा-बहुत फेरबदल किया जा सकता है।

भाजपा के एक नेता के अनुसार नितिन नवीन की नई टीम में दो-तीन अनुभवी चेहरों के साथ युवा जोश का समन्वय देखने को मिल सकता है। 20 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद से नितिन नवीन पुरानी टीम के साथ ही काम कर रहे हैं। नितिन नवीन की नई टीम

भाजपा के एक बड़े नेता के अनुसार, नितिन नवीन की टीम का एलान 15 मई के पहले कभी भी हो सकता है। भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन टीम में युवा चेहरों की भरमार हो सकती है। इनमें अनुराग ठाकुर का नाम सबसे ऊपर है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा में अहम पदों पर रहे ठाकुर के पास सरकार में काम करने का भी लंबा अनुभव है। वहीं तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के उम्मीद से ज्यादा खराब प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए भाजपा फिर से एकला चलो की नीति पर आगे बढ़ सकती है। ऐसे में अन्नामलाई को संगठन में अहम पद मिल सकता है। अन्नाद्रमुक के साथ खराब संबंधों के कारण गठबंधन का रास्ता साफ करने के लिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था।

इसी तरह से बंगाल में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के बीच चुनावी तैयारियों के दौरान राज्य में सांगठनिक ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत महसूस की गई। ऐसे में बंगाल से भी किसी चुवा चेहरे को केंद्रीय संगठन में जगह मिल सकती है। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उनके नाम तय किए जाएंगे।

विभिन्न राज्यों की चुनाव तैयारियों में अहम भूमिका निभाने वाले त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विपल्व देव को भी नितिन नवीन की टीम में जगह मिल सकती है। अगले वर्ष त्रिपुरा विधानसभा चुनाव को देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है।

भाजपा अध्यक्ष की टीम में होगा युवा जोश-नितिन नवीन की टीम में युवा जोश के साथ अनुभव के समन्वय की बात कही जा रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि मौजूदा महासचिवों में से दो या तीन को बरकरार रखा जा सकता है। इनमें सुनील बंसल का नाम सबसे ऊपर है।

HC ने दे दिया सेना प्रमुख और रक्षा सचिव की सैलरी काटने का आदेश, रि. मेजर की याचिका पर फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक रिटायर्ड मेजर की पेंशन के मामले में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह पर ही 2 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि यह रकम दोनों की सैलरी से काटकर याचिकाकर्ता को दी जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक सेवा के दौरान ही मेजर को 24 सर्जरी करवानी पड़ी थी। इसके अलावा उनकी किडनी डैमेज हो गई थीं। 'द ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक पुणे के रहने वाले मेजर राजदीप दिनकर पांडेर (रिटायर्ड) साल 2012 में भारतीय सेना में कमीशन हुए थे। उस समय वह एकदम फिट थे। उन्हें लद्दाख में ऊंचाई वाले इलाके में पोस्टिंग दी गई। सेवा के पांच साल के बाद वह बुरी तरह बीमार हो गए।

इसके बाद दिल्ली छावनी में उन्हें सिक लीव मेडिकल बोर्ट के सामने पेश किया गया। जांच में पता चला कि उन्हें सिस्टाइटिस सिस्टिका ग्लैंडुलरिस है। इसमें मत्रूशय में छोटी-छोटी गांठें बन जाती हैं। अकसर पेशाब में संक्रमण की वजह से यह होता है। इसके बदा मेजर पंडेर की सर्जरी हुई और उन्हें लो मेडिकल कैटिगरी में डाल दिया गया। 2022 में उन्हें पंचकूला में चंडीमंदिर वेस्टर्न कमांड हॉस्पिटल की सिफारिश पर लो मेडिकल कैटिगरी में रखते हुए ही रिलीज कर दिया गया जबकि वह 15 फीसदी तक दिव्यांग हो गए थे। उन्होंने दिव्यांग पेंशन के लिए आवेदन किया जिसे खारिज कर दिया गया। चंडीमंदिर आर्म्ड फोर्सेज ट्राइब्यूनल ने माना कि मेडिकल बोर्ड की सिफारिश पर कई बार उनकी सर्जरी हुई और सेवा के दौरान ही वह दिव्यांग हुए थे। बेंच ने कहा, हमें समझ नहीं आता कि जब सेवा के दौरान ही वह 15 फीसदी तक दिव्यांग हो गए थे तब उनको रिलीज करते हुए यह क्यों कहा गया कि यह सैन्य सेवा के दौरान नहीं हुई है।

मीडिया को जामवंत बनकर समाज की शक्ति जगानी होगीः अमिताभ अग्निहोत्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में प्रख्यात राष्ट्रीय पत्रकार एवं एडिटर इन चीफ अमिताभ अग्निहोत्री ने कहा कि मीडिया को जामवंत की भूमिका निभाते हुए समाज रूपी हनुमान की वास्तविक शक्ति को जागृत करना होगा। उन्होंने भारतीय मीडिया में स्व का जागरण विषय पर बोलते हुए कहा कि व्यक्ति ही स्व बोध की मूल इकाई है और उसमें स्व, मित्र तथा शत्रु बोध होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पिछले हजारों वर्षों में देश के बार-बार कमजोर होने का प्रमुख कारण यही रहा कि हम अपने स्व, मित्र और शत्रु का सही बोध नहीं कर पाए। हमारी संस्कृति और परंपराओं को योजनाबद्ध तरीके से 'माइथोलॉजी' बताकर आत्मबल को कमजोर किया गया, जिसका प्रभाव आज भी समाज में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आत्मबल कमजोर होने पर पराजय निश्चित होती है, इसलिए समाज में स्व बोध का जागरण जरूरी है।

अमिताभ अग्निहोत्री ने कहा कि सेनाएं केवल भूगोल जीतती हैं, इतिहास नहीं। काशी, मथुरा और अयोध्या जैसे आध्यात्मिक केंद्रों को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे भारतीय स्व जागरण के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि यदि स्व बोध जागृत होता, तो अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में इतना लंबा समय नहीं लगता।

उन्होंने मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि मीडिया समाज का उत्प्रेरक है और उसे समाज में फैली आत्ममलिनता को दूर कर आत्मविश्वास जगाना होगा। जैसे जामवंत ने हनुमान को उनकी शक्ति का बोध कराया था, वैसे ही मीडिया को समाज को उसकी ताकत का एहसास कराना होगा। उन्होंने कहा कि आज बौद्धिक युद्ध का समय है और इसके लिए समाज में जागरूकता तथा आत्मविश्वास का निर्माण आवश्यक है।

कार्यक्रम एसजीएसआईटीएस के गोल्डन जुबली सभागार में विश्व संवाद केंद्र मालवा, इंदौर प्रेस क्लब और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी जयंत भिसे ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्व बोध का वास्तविक स्थान मानव का हृदय है और जो व्यक्ति अपने भीतर झांकता है, वही आनंद और आत्मज्ञान प्राप्त करता है।

कार्यक्रम की शुरुआत देवर्षि नारद एवं माता सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। संचालन अनुभूति निगम ने किया, जबकि वंदेमातरम प्रस्तुति जाह्नवी ने दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार, संपादक, लेखक, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इंदौर में जैन प्रतिष्ठा महोत्सवः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अहिंसा व संस्कारों को बताया राष्ट्र की शक्ति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तिलक नगर स्थित श्री राजेंद्रसूरी आराधना भवन में आयोजित भव्य जैन प्रतिष्ठा महोत्सव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शामिल होकर श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उनके आगमन से आयोजन में उत्साह और गरिमा का वातावरण और अधिक बढ़ गया। महोत्सव आचार्य श्रीमद् विजय ऋषभचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. की पाट परंपरा पर विराजमान आचार्य श्री हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की मंगल निश्रा में संपन्न हुआ, जहां उनके सान्निध्य से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने उद्बोधन में जैन धर्म के मूल सिद्धांत–अहिंसा, सत्य, तप, संयम और सेवा–की सराहना करते हुए कहा कि ये मूल्य व्यक्ति के साथ-साथ समाज और राष्ट्र को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने जैन समाज के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि समाज ने हमेशा देश निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि उन्हें कम समय में ही आचार्य श्री का दूसरी बार आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला है। अक्षय तृतीया पर मोहनखेड़ा तीर्थ में दर्शन के बाद अब इंदौर में पुनः उनका सान्निध्य मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने मोहनखेड़ा नाम से अपने विशेष लगाव और आस्था का भी उल्लेख किया तथा समाजजनों से ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने आयोजन की भव्यता और अनुशासित व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई दी और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मेघराज जैन, सुजानमल सेठ, प्रेमकमल बागरेचा, संजय मोदी, अनूप कटारिया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। धार्मिक अनुष्ठान, पूजन और रात्रि में भक्ति संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत साइक्लोथान आयोजित, महापौर ने जल संरक्षण का दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संरक्षण एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नेहरू स्टेडियम से क्लीन इंदौर सेव वाटर साइक्लोथान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने स्वयं साइकिल चलाकर नागरिकों को जल बचाने का संदेश दिया और सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं और साइक्लिंग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महापौर ने कहा कि स्वच्छता के साथ-साथ जल संरक्षण में भी इंदौर को नंबर वन बनाना है। उन्होंने बढ़ती जनसंख्या और घटते जल स्तर को लेकर चिंता जताते हुए नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे उपाय अपनाएं, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए पानी सुरक्षित रखा जा सके। साइक्लोथान के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया और स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर फीडबैक देने की भी अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान निगम अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जैन मुनि आचार्य श्री के पावन सान्निध्य में आयोजित भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव में हुए सम्मिलित

मुख्यमंत्री ने जैन धर्म के जियो और जीने दो के मूल मंत्र और अहिंसा के मार्ग पर विशेष बल दिया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में जैन समाज के प्रतिष्ठा महोत्सव एवं लाभार्थी बहुमान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री द्वारा गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय हितेश्चन्द्रसूरीश्वरजी महाराज साहिब का भावपूर्ण पूजन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में संतों के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि किसी देवस्थान की प्राण प्रतिष्ठा और संतों का सान्निध्य कई जन्मों के पुण्य के बाद ही प्राप्त होता है। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमर धरोहर बताते हुए कहा कि ईश्वर संतों के माध्यम से ही समाज को मार्ग भटकने से बचाते हैं। उन्होंने जैन धर्म के जियो और जीने दो के मूल मंत्र और अहिंसा के मार्ग पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें सिखाती है कि जीवन का प्रत्येक क्षण और व्यवस्था का प्रत्येक कण लोक-कल्याण के लिए सदुपयोग में आना चाहिए। मानवता और जीव मात्र के प्रति करुणा भाव रखना ही हमारी संस्कृति का आधार है।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने मोहनखेड़ा तीर्थ से अपने आत्मीय और गहरे जुड़ाव को भी साझा किया। उन्होंने रोचक ढंग से उल्लेख किया कि आचार्य श्री ने इस पावन तीर्थ का नाम उनके नाम (मोहन) पर ही रखा है, जो उनके लिए व्यक्तिगत रूप से अत्यंत आनंद और गौरव का विषय है। उन्होंने मोहनखेड़ा तीर्थ को न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए श्रद्धा एवं आस्था का एक प्रमुख केंद्र बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और समरसता का संचार होता है। मुख्यमंत्री ने सफल आयोजन के लिए समस्त ट्रस्टी परिवार और आयोजन समितियों को बधाई दी और आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी।

आचार्य श्री हितेश्चन्द्रसूरीश्वरजी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में मुख्यमंत्री के सरल स्वभाव और धर्म के प्रति उनकी अटूट निष्ठा की प्रशंसा की। आचार्य श्री ने कहा कि जब शासन और साधना का समन्वय होता है, तभी राष्ट्र उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होता है। उन्होंने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जिस प्रकार वे जनसेवा के कार्यों में संलग्न हैं, उसी प्रकार धर्म और संस्कृति के संरक्षण में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण है। आचार्य श्री ने प्रतिष्ठा महोत्सव के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसे आयोजन आत्मा की शुद्धि और समाज में सद्भावना बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर अडिग रहने और जीव मात्र के प्रति करुणा भाव रखने की प्रेरणा दी।

सड़कों पर लगेंगे औषधीय पौधे, देश की पहली क्योर सिटी बनाने के लिए वन विभाग ने कसी कमर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज ने पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेद की दिशा में एक बड़ी पहल शुरू की है। कॉलेज प्रबंधन और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से अब संस्थान के परिसर में एक विशेष नर्सरी तैयार की जा रही है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश के जंगलों से धीरे-धीरे विलुप्त हो रही दुर्लभ और औषधीय प्रजातियों को पुनर्जीवित करना है। पूर्व इंदौर डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने इस मुहिम को गति देने के लिए कॉलेज को शुरुआती तौर पर 5 हजार पौधे उपलब्ध कराए थे। अब वर्तमान डीएफओ लाल सुधाकर सिंह इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक पीके दुबे के मार्गदर्शन और प्रो. डॉ. संजय व्यास की देखरेख में छात्र इन पौधों के संरक्षण में जुटे हैं। इस नर्सरी में प्रमुख रूप से बेल, सफेद मूसली, बीजा, गुग्गल, कैथा, गिरनार और दहीमन जैसी लुप्तप्राय प्रजातियां उगाई जा रही हैं। होलकर साइंस कॉलेज के हॉर्टिकल्चर विभाग के छात्रों को इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। छात्र यहां न केवल पौधों की देखभाल करेंगे बल्कि पौधों की ब्रीडिंग, ग्राफ्टिंग और उनके जीवित रहने की दर को बढ़ाने की उन्नत तकनीकी बारीकियां भी सीखेंगे। कॉलेज प्रशासन का लक्ष्य इस नर्सरी को भविष्य में एक बड़े बीज बैंक के रूप में स्थापित करना है, जो दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण का केंद्र बनेगा। वन विभाग और कॉलेज के बीच हुए समझौते के तहत नर्सरी में तैयार होने वाले पौधों का 50 प्रतिशत हिस्सा वापस वन विभाग को सौंपा जाएगा। विभाग इन पौधों को प्रदेश के विभिन्न जंगलों में पुनर्रोपण के लिए इस्तेमाल करेगा।

हाई-टेक ड्रोन्स करेंगे इंदौर की सुरक्षा, आग बुझाएंगे और ट्रैफिक सुधारेंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कमिश्नरेट ने स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल किया है। पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अब दैनिक पुलिस कार्यवाही, आमजन की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए इन आधुनिक ड्रोन्स का उपयोग किया जाएगा। इसके माध्यम से हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाएगी।

हाल ही में इंदौर की डीआरपी लाइन में नए विकसित अत्याधुनिक ड्रोन्स का विस्तृत डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किया गया। इस दौरान ऐसे ड्रोन्स का प्रदर्शन किया गया जो हाई रेजोल्यूशन कैमरा, विभिन्न लाइट्स और माइक की सुविधा से लैस हैं। इन ड्रोन्स का उपयोग भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किया जाएगा। इनमें मौजूद रियल-टाइम वीडियो ट्रांसमिशन और नाइट विजन जैसी सुविधाएं पुलिस को मौके की सटीक जानकारी तुरंत उपलब्ध कराएंगी।

डेमोंस्ट्रेशन के दौरान ड्रोन लैब टेक्नोलॉजी लिमिटेड अहमदाबाद द्वारा विकसित तीन विशेष प्रकार के ड्रोन्स की कार्यक्षमता दिखाई गई। इनमें वॉटर होस सिस्टम से लैस फायर फाइटिंग ड्रोन, फायर बॉल एक्सटिंग्विशिंग तकनीक वाला अग्निशमन ड्रोन और टेथर्ड एवं नॉन-टेथर्ड तकनीक पर आधारित सन ड्रोन शामिल थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महू में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट प्रमाण-पत्र किए वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य शासन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। राज्य में 10 हजार स्टार्टअप धारकों ने अपना पंजीयन कराया है। स्टार्टअप शुरू करने वालों को राज्य सरकार प्रतिमाह स्टाइफंड भी दे रही है। प्रदेश में चारों ओर उद्योगों का फैलाव हो, इसके लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। बाहर की कम्पनियों को निवेश के लिए औद्योगिक समिट के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार मिले और प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर जिले के महू में एक निजी कॉलेज में आयोजित प्लेसमेंट प्रोग्राम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के उन युवाओं को प्लेसमेंट के प्रमाण-पत्र वितरित किए, जिनका प्लेसमेंट विभिन्न कम्पनियों में हुआ। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, कॉलेज के सेक्रेटरी श्री सुनील बंसल और श्री शरद त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि यदि हम किसी विषय को मन लगाकर गहराई से पढ़ते हैं, तो उसकी याददाश्त लम्बे समय तक बनी रहती है। अतः एकाग्रचित होकर अध्ययन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षक बनकर विद्यार्थियों से प्रश्न किए, तो वहीं विद्यार्थियों ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रश्न किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से विज्ञान और राजनीति से जुड़े प्रश्न किए, तो वहीं विद्यार्थियों ने उद्योग और नवाचार को लेकर प्रश्न किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल पाठ्यक्रम तक ही विद्यार्थी स्वयं को सीमित न रखें, वह आगे भी अपना मनन और चिंतन जारी रखे। नये-नये नवाचार करें और स्वयं को भी परखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्टार्टअप, गुरूत्वाकर्षण, ब्रह्माण्ड, नवाचार, निवेश आदि को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने सुशीला देवी बंसल कॉलेज परिसर में आयोजित विज्ञान परियोजना प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों और प्रोजेक्ट के बारे में विद्यार्थियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही सामूहिक चित्र भी खिंचवाये।

कार्यक्रम में कॉलेज के सचिव श्री सुनील बंसल ने बताया कि संस्था के इंदौर के अलावा भोपाल और मंडीदीप में भी कॉलेज है। अधिकांश विद्यार्थियों का प्लेसमेंट मध्यप्रदेश की कम्पनियों में ही हुआ है। इसका श्रेय राज्य सरकार को जाता है कि यहाँ लगातार नये उद्योग खुल रहे है और प्रदेश दिनों-दिन विकसित हो रहा है।

12 करोड़ की लागत से बनेगा बाणेश्वरी लोक, इंदौर विकास प्राधिकरण करेगा निर्माण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन बाणेश्वरी कुंड को अब बाणेश्वरी लोक के रूप में विकसित किया जाएगा। दो साल में इसका निर्माण पूरा होगा, ताकि सिंहस्थ से पहले उज्जैन जाने वाले भक्त भी इस लोक को देखने आ सकें। इसे धार्मिक पर्यटन के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। पहले इस लोक का भूमिपूजन मुख्यमंत्री मोहन यादव के हाथों होता था, लेकिन शुक्रवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसका भूमिपूजन कर काम शुरू कराया।

शराब के नशे में चूर सिपाही ने नाइट पेट्रोलिंग कर रहे दो कांस्टेबल को कार से कुचला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शराब के नशे में धुत एक सिपाही ने रात्रि गश्त करने निकले दो पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद भी आरोपित ने कार नहीं रोकी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित सिपाही गड़बड़ी के चलते द्वारकापुरी से पुलिस लाइन में भेजा गया था। हादसे में घायल सिपाहियों को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

राजेंद्र नगर टीआइ यशवंत बड़ौले के अनुसार घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे की है। राजेंद्र नगर थाना में पदस्थ आरक्षक प्रमोद त्यागी और भूरालाल जामले रात्रि गश्त कर रहे थे। दोनों बाइक से दुर्गानगर पहुंचे ही थे कि पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार में आई कार ने जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों हवा में उछलकर दूर जा गिरे। भूरालाल के पेट, सिर, पैर और प्रमोद के शरीर में गंभीर चोट आई है। अन्य वाहन ड्राइवर पुलिसकर्मियों को देखकर रुके और डायल-112 पर काल कर सूचना दी। थोड़ी देर बाद अधिकारी पहुंच गए और घायल जवानों को अस्पताल पहुंचाया। टीआई के मुताबिक कार जिला पुलिस लाइन में पदस्थ सिपाही विजय चौहान चला रहा था। वह शराब के नशे में धुत निकला। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तारी ले ली। विजय ने पूछताछ में बताया कि वह द्वारकापुरी थाना में पदस्थ रहा है। उसे गड़बड़ी के कारण लाइन अटैच कर दिया गया था। कार उसके दोस्त संजय अल्फा की है। शाम को वह उससे कार लेकर गया था। उसने राऊ में ही शराब पार्टी की और रात को राजेंद्र नगर पुलिस लाइन स्थित सरकारी क्वार्टर के लिए रवाना हुआ। अफसरों ने उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी कर दिए हैं।

आबकारी इंदौर द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 6 प्रकरण पंजीबद्ध किए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश पर आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी निर्देशन में शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध विभिन्न ढाबों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। गत दिवस की गई कार्रवाई कंट्रोल रूम प्रभारी श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज कुमार अग्रवाल एवं उड़नदस्ता प्रभारी अधिकारी श्री कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त भोई मोहल्ला श्रीमती त्रिअंबिका शर्मा की टीम द्वारा की गई। बताया गया कि कार्यवाही के दौरान इंदौर-उज्जैन रोड स्थित विभिन्न ढाबों पर छापामार कार्रवाई करते हुए कुल 06 प्रकरण दर्ज किए गए। यूनिक ढाबा, भगवती ढाबा, मेट्रो ढाबा सहित अन्य स्थानों पर अवैध मदिरा परोसते पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। आबकारी विभाग द्वारा ढाबों एवं मदिरा दुकानों के आसपास अवैध रूप से परोसी जा रही मदिरा के विरुद्ध यह विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

पानी पर पहरा! आठ दिन में आते हैं टैंकर, पानी की सुरक्षा के लिए ड्रमों में लगते हैं ताले

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जलसंकट इतना गंभीर हो गया है कि लोग रोज सुबह काम पर जाने से पहले अपनी पानी की कोठियों पर ताला लगाना नहीं भूलते, ताकि शाम को घर लौटने पर उन्हें पानी मिल सके। यह स्थिति इंदौर की अहिरखेड़ी कॉलोनी की है। यहां नगर निगम ने 300 से अधिक गरीब परिवारों को फ्लैट बनाकर दिए हैं। सड़क चौड़ीकरण से विस्थापित हुए ये परिवार यहां रहने आ गए। उन्हें पक्की छत तो मिल गई, लेकिन अन्य सुविधाएं लगभग नहीं हैं। इस कॉलोनी में दो बोरिंग हैं, जिन्होंने पानी देना बंद कर दिया है। इसके अलावा एक कुआं है, जिसमें मोटर लगाकर लोग उपयोग के लिए पानी भरते हैं। अब यहां गंभीर जलसंकट है। नगर निगम के टैंकर पानी बांटने आते हैं। रहवासियों ने पानी संग्रह के लिए कोठियां और ड्रम खरीद लिए हैं। टैंकर इनमें पानी भरते हैं, जिससे लोग तीन-चार दिन तक काम चलाते हैं। लेकिन जिन परिवारों को अधिक पानी की जरूरत होती थी, वे दूसरों के ड्रम से पानी ले लेते थे, जिससे विवाद होने लगे। इसके बाद लोगों ने अपनी कोठियों और ड्रमों में ताले लगाना शुरू कर दिया।

कॉलोनी के विशाल सेन बताते हैं कि नगर निगम ने उन्हें यहां बसाया तो, लेकिन नर्मदा लाइन की व्यवस्था नहीं की। बोरिंग इतने परिवारों के लिए पर्याप्त नहीं हैं। सालभर पानी की कमी रहती है, लेकिन गर्मियों में समस्या और बढ़ जाती है। टैंकर चार-पांच दिन में आते हैं, जिससे लोगों को पानी के लिए दिनभर भटकना पड़ता है।

कॉलोनी की रेखा बाई कहती हैं कि वे टैंकर से ड्रम और कोठियां भरकर रखती थीं, लेकिन शाम को मजदूरी से लौटने पर ड्रम खाली मिलते थे। जिनके पास पानी कम होता था, वे दूसरों के ड्रम से पानी ले लेते थे। मजबूरी में अब पानी से भरी कोठियों पर ताले लगाने पड़ते हैं। इससे चोरी तो रुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उनका कहना है कि नगर निगम को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि लोगों को पानी चुराने की जरूरत ही न पड़े।

गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों को कार ने उड़ाया, दो घायल, टक्कर मारने वाला भी पुलिसकर्मी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आनंद नगर क्षेत्र में एक कार की टक्कर से दो पुलिस सिपाही घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। जिस कार ने टक्कर मारी, उसे भी एक पुलिसकर्मी चला रहा था और बताया जा रहा है कि वह नशे में था।

घायल पुलिसकर्मी गश्त कर रहे थे और राजेंद्र नगर स्थित पुलिस क्वार्टर्स में रहते हैं। गश्त के दौरान वे दुर्गानगर पर खड़े थे, तभी तेजी से आ रही एक सफेद कार ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों करीब आठ फीट दूर जा गिरे।घायल पुलिसकर्मियों के नाम प्रमोद त्यागी और भूरेलाल हैं। दोनों को टी. चोइथराम अस्पताल में भर्ती किया गया है। सिपाही भूरेलाल को ज्यादा चोट आई है। उन्हें सिर और पैर में चोट लगी है, जबकि प्रमोद के पैरों में चोट आई है। प्रमोद बाइक पर पीछे बैठे थे।

नीमच सिंगोली कोटा जल्द दौड़ेगी रेल

50 साल का इंतजार खत्म—कोटा-नीमच रेल लाइन के फाइनल सर्वे को मंजूरी, विकास को मिला नया ट्रैक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच लंबे समय से लंबित रेल कनेक्टिविटी का सपना अब साकार होने की दिशा में बढ़ चला है। भारतीय रेलवे ने बहुप्रतीक्षित कोटा-रावतभाटा-बेंगू-सिंगोली-नीमच नई रेल लाइन (201.30 किमी) के फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से दोनों राज्यों के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है।

रेल मंत्रालय ने इस सर्वे कार्य के लिए 5 करोड़ 3 लाख 25 हजार रुपये की स्वीकृति जारी की है। सर्वे पूरा होने के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर आगे भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य शुरू होगा।

करीब 50 वर्षों से इस रेल लाइन की मांग लगातार उठती रही है। वर्ष 2014 में इस परियोजना के प्रारंभिक सर्वे को हरी झंडी मिली थी और 2018 में इसका खाका तैयार हुआ था। अब फाइनल सर्वे को मंजूरी मिलने से यह परियोजना जमीन पर उतरने के और करीब पहुंच गई है। यह रेल लाइन कोटा से नीमच तक रावतभाटा, बेंगू और सिंगोली जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। प्रस्तावित मार्ग में जावदा रोड, रतनगढ़, सिंगोली, भैंसरोडगढ़ और जवाहर सागर जैसे स्टेशन शामिल किए गए हैं, वहीं रावतभाटा में नया रेलवे स्टेशन विकसित करने की भी योजना है। इस परियोजना से करीब 10 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में जहां लोग सड़क मार्ग पर निर्भर हैं, वहीं नई रेल लाइन बनने से कोटा-नीमच के बीच दूरी करीब 90 किलोमीटर तक कम हो जाएगी, जिससे यात्रा तेज, सस्ती और सुरक्षित बनेगी। औद्योगिक दृष्टि से भी यह रेल लाइन बेहद अहम मानी जा रही है। कोटा थर्मल पावर प्लांट, रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्र और नीमच की कृषि उपज मंडी जैसे प्रमुख केंद्र इस मार्ग पर स्थित हैं, जिससे माल परिवहन को नई रफ्तार मिलेगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। फिलहाल फाइनल सर्वे की प्रक्रिया जारी है और इसके बाद DPR तैयार कर परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। क्षेत्र की जनता को उम्मीद है कि यह बहुप्रतीक्षित रेल लाइन जल्द ही हकीकत बनेगी और विकास की नई कहानी लिखेगी।

उपार्जन केंद्रों पर फटे बारदानों की समस्या समाप्त, अच्छी गुणवत्ता के नए बारदानों का उपयोग शुरू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उपार्जन केंद्रों पर फटे बारदानों से होने वाली समस्याओं से संबंधित समाचारों के संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी श्री राम नरेश दिवाकर ने वस्तुस्थिति स्पष्ट की है।

जिला आपूर्ति अधिकारी का बयान- श्री आर.एन.दिवाकर ने बताया, कि शासन के निर्देशानुसार प्रारंभ में उपार्जन कार्य में सिंगल भर्ती वाले बारदानों का उपयोग किया गया था। किसानों की सुविधा एवं उपार्जन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन द्वारा तत्काल कदम उठाए गए।

नए बारदाने उपलब्ध- अब अच्छी गुणवत्ता के नए बारदाने पर्याप्त मात्रा में प्राप्त हो गए हैं। जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से पुराने बारदानों का उपयोग बंद करके सभी उपार्जन केंद्रों पर नए और मजबूत बारदानों का उपयोग प्रारंभ कर दिया है।

किसानों से अपील- जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया, कि नए बारदानों के उपयोग से अनाज की भराई में आ रही समस्या का समाधान हो गया है। अब उपार्जन केंद्रों पर किसानों को बारदानों को लेकर कोई असुविधा नहीं होगी। सभी केंद्र प्रभारियों को गुणवत्तापूर्ण बारदानों का ही उपयोग करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि उपार्जन कार्य में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। जिला प्रशासन उपार्जन व्यवस्था की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहा है।

सीतामऊ थाना पुलिस ने पकड़ा 13 किलो डोडा चूरा, एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना पुलिस ने पतलासी फंटे पर घेरांदी के दौरान एक आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से 13 किलो डोडा चूरा बरामद किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति के अनुसार मुखबीर सूचना पर 2 मई को उपनिरीक्षक रामलाल दडिंग द्वारा हमराह फोर्स के सूचना पर सीतामऊ - जावरा रोड पर पतलासी फंटे के निकट घेराबंदी की। इस दौरान आरोपी बापूसिंह पिता गोवर्धनसिंह राजपूत 59 वर्ष निसी नकेड़िया को बाईक सहित रोका। उसके कब्जे से तीन बेगों में भरा हुआ कुल 13 किलो डोडा चूरा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से बापूसिंह को गिरफ्तार किया तथा उससे डोडाचूरा के स्त्रोत एवं खपत के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

मंदसौर की धरा पर वीरों का वंदनः सेवानिवृत्त होकर लौटे चार जवानों का ऐतिहासिक स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में राष्ट्र सेवा की मिसाल पेश कर सेवानिवृत्त हुए भारतीय सेना, सीआरपीएफ और बीएसएफ के चार वीर जवानों का अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद और नागरिक समाज द्वारा भव्य एवं भावभीनी विदाई के साथ स्वागत सम्मान किया गया। देश की सीमाओं पर अपनी आयु के महत्वपूर्ण वर्ष समर्पित करने के बाद लौटे इन जांबाजों के स्वागत में पूरा जिला उमड़ पड़ा। साबाखेड़ा के सुरेश राठौर ने सीआरपीएफ में 24 वर्ष की गौरवशाली सेवा पूर्ण की, जिनका मंदसौर और उनके पैतृक ग्राम में जोरदार स्वागत हुआ। इसी प्रकार भोलिया ग्राम के घनश्याम चौहान सीआरपीएफ में 24 वर्ष का सेवाकाल पूरा कर सकुशल लौटे। उनका स्वागत कार्यक्रम मंदसौर के कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम से प्रारंभ होकर मंदसौर नगर और दलोदा होते हुए भोलिया ग्राम तक चला, जहां ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर अपने लाडले सपूत की अगवानी की। बीएसएफ में 39 वर्षों की लंबी और अनुकरणीय सेवा देने के बाद एएसआई शंभू सिंह पंवार का भी सेजपुरिया ग्राम में संगठन और समाजसेवियों द्वारा आत्मीय अभिनंदन किया गया। रविवार को नेनौरा के सुनील कुमार भारतीय सेना से 17 वर्ष की सेवा पश्चात लौटे, जिनकी स्वागत यात्रा पिपलिया मंडी रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर नगर परिषद, गांधी चौराया और टीलाखेड़ा बालाजी होते हुए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंची। वहां प्रधानाध्यापक बालाराम सिसोदिया द्वारा सम्मान के बाद यह यात्रा गांव नेनौरा में भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुई।

इन सम्मान समारोहों में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के साथ-साथ समाजसेवी संगठनों, रक्तवीर रेड आर्मी और नगर परिषद पिपलिया मंडी ने भी सहभागिता की। परिषद के जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर ने सैनिकों के संघर्ष को रेखांकित करते हुए कहा कि सैनिक का जीवन एक कठिन तपस्या है, जो सीमा पर दुश्मनों से लड़ने के साथ-साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी बखूबी निर्वहन करता है। उन्होंने युवाओं से कंफर्ट जोन छोड़कर इन वीरों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। वहीं समाजसेवी विनय दुबेला ने मंदसौर की धरा को वीरों का सम्मान करने वाली पावन भूमि बताया। सेवानिवृत्त सैनिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संकल्प लिया कि वर्दी भले ही उतर गई हो, लेकिन समाज सेवा और युवाओं के मार्गदर्शन का उनका मिशन निरंतर जारी रहेगा। इस गरिमामय अवसर पर संगठन मार्गदर्शक कैप्टन सुरेश परमार, समाजसेवी विनय दुबेला,जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी, मोहन पाम्पोडिया, राजेश चौहान, दीपक राठौर, मुकेश सोलंकी, राजेंद्र सिंह शक्तावत, मिट्ठू सिंह, जितेंद्र माली, नरेंद्र खटवड़, आर.एन. मालवीय, दशरथ डांगी, ऋषिराज गुर्जर, कमलेश देवड़ा, दिनेश पाटीदार, अंतिम कुमार ग्वाला, ईश्वर लाल पाटीदार, प्रहलाद राठौड़, जुगल विश्वकर्मा, दिलीप पाटीदार, दिलीप सिंह शक्तावत, शाकिर अहमद, भीम सिंह शक्तावत, ओम प्रकाश अहिरवार, जितेंद्र सिंह शक्तावत, परमानंद, नरेश कुमार, राजपाल सिंह, योगेंद्र सिंह शक्तावत, शिवनारायण गुर्जर, धर्मेंद्र सोनगरा और नंदकिशोर सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

नीमच में NEET परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, 900 में से 879 परीक्षार्थी हुए शामिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय नीमच के दो परीक्षा केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा हश्वश्वञ्ज आज शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

परीक्षा में उपस्थिति- इस परीक्षा के लिए पंजीकृत कुल 900 परीक्षार्थियों में से 879 परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर परीक्षा दी। कुल उपस्थिति 97.66 प्रतिशत रही।

केंद्रवार उपस्थिति का विवरण- स्वामी विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नीमच कुल 480 परीक्षार्थियों में से 471 परीक्षार्थी उपस्थित हुए।

श्री सीताराम जाजू कन्या महाविद्यालय, नीमच कुल 420 परीक्षार्थियों में से 408 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

सफल आयोजन- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के निर्देशानुसार दोपहर 02 बजे से सायं 05 बजे तक पेन और पेपर मोड में आयोजित इस परीक्षा में जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश नोडल अधिकारी के रूप में तथा डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धारवे सहायक नोडल अधिकारी के रूप में संपूर्ण व्यवस्था पर निगरानी रखे हुए थे। दोनों परीक्षा केंद्रों पर मजिस्ट्रियल ड्यूटी, पुलिस बल, विद्युत, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं यातायात की पुख्ता व्यवस्था रही। किसी भी केंद्र से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने परीक्षा के सफल आयोजन पर सभी नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी है।

नीमच के नए कप्तानी संभालेंगे राजेश व्यास, अलीराजपुर-इंदौर में दिखा चुके हैं दम, अब सरहदी जिले में माफियाओं की खैर नहीं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पुलिस महकमे में हुए प्रशासनिक फेरबदल के बाद नीमच को नया पुलिस कप्तान मिल गया है। तेज-तर्रार आईपीएस अधिकारी राजेश व्यास ने नीमच पुलिस अधीक्षक (स्क्क) का पदभार संभाल लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और डीजीपी कैलाश मकवाणा ने 2016 बैच के इस जांबाज अफसर पर भरोसा जताते हुए उन्हें नीमच जैसे संवेदनशील और सरहदी जिले की कमान सौंपी है।

माफियाओं के लिए संकट, जनता के लिए उम्मीद- राजेश व्यास की गिनती प्रदेश के उन पुलिस अधिकारियों में होती है जो अपनी कार्यशैली से अपराधियों में खौफ पैदा करने के लिए जाने जाते हैं। नीमच जिले की भौगोलिक स्थिति मादक पदार्थों की तस्करी के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। पूर्व में इंदौर और अलीराजपुर में अवैध शराब, सट्टा रैकेट और नशीले पदार्थों के खिलाफ उनकी सख्त कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि वे कानून से खिलवाड़ करने वालों को बख्शने के मूड में नहीं रहते। अब उनके नीमच आने से जिले के अवैध धंधेबाजों में हड़कंप मच गया है।

तकनीक और मानवीय चेहरे का संगम- केवल सख्ती ही नहीं, राजेश व्यास सामुदायिक पुलिसिंग और तकनीक के बेहतरीन तालमेल के लिए भी जाने जाते हैं। अलीराजपुर में उनके नेतृत्व में चलाया गया ऑपरेशन हेलो आज भी चर्चा का विषय है। इस अभियान के तहत सैकड़ों गुम हुए मोबाइल फोन न केवल ट्रेस किए गए, बल्कि उनके असल मालिकों तक पहुंचाए गए। तकनीकी विजन के साथ आम जनता के बीच उनकी यह कार्यशैली उन्हें एक अलग पहचान देती है।

इंदौर से नीमच तक का सफर- 2016 बैच के आईपीएस राजेश व्यास ने इंदौर में डीसीपी (आसूचना एवं सुरक्षा) के रूप में खुफिया तंत्र को मजबूत करने का काम किया है। अब नीमच में कानून-व्यवस्था की बागडोर संभालते हुए सीमावर्ती इलाकों में तस्करी पर नकेल कसना और शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

आम जनता को है बड़ी उम्मीदें - IPS राजेश व्यास की नियुक्ति के बाद नीमच के प्रबुद्ध नागरिकों और आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत हुआ है। लोगों का मानना है कि एक सख्त और तकनीक प्रेमी कप्तान के आने से जिले की पुलिसिंग और अधिक चुस्त होगी और अपराधियों के हौसले पस्त होंगे।

49 डे योगा काउंटडाउन का आयोजन, सिंगोली में उमड़ा उत्साह

सर्व समाज ने उत्साह पूर्वक लिया भाग लिया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रान्त की धार्मिक नगरी सिंगोली में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में 21 जून विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में 49 डे योगा काउंटडाउन के अंतर्गत महावीर मांगलिक भवन, सिंगोली में अर्ह ध्यान योग द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पूज्य मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुवात अंतराप्पा साक्षी जी ने अर्ह ध्यान योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की। मुख्य सत्र अर्ह ध्यान योग के चेयरमैन एवं प्रशिक्षक श्री चिन्मय कियावत जी द्वारा कराया गया, जिसमें पंच मुद्रा, अर्ह क्लैप, प्राणायाम, अर्ह नाद, आसन एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया।अपने उद्बोधन में मुनि श्री ने कहा कि योग-ध्यान के साथ यदि व्यक्ति अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह जैसे अणुव्रतों का पालन करे, तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने पंच के महत्व को बताते हुए इसे आत्मोन्नति का आधार बताया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं पाद प्रक्षालन किया गया। वहीं पहले आहो पहले पाओ कि तर्ज पर सभी को निःशुल्क टी - शर्ट प्रधान किए गए जैन समाज के साथ अन्य समाजों की भी उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। साथ ही प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया केउपस्थित पत्रकारों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में लगभग 1500 श्रद्धालुओं ने भाग लेकर ध्यान-योग का लाभ प्राप्त किया और सब ने उत्साह और ऊर्जा के साथ योग किया इस अवसर पर सर्व समाज के साथ बिजोलिया मनासा दिल्ली रावतभाटा झांतला बेगु चेची महुआ व आदी शहरों के समाजजन उपस्थित थे।

41 साल से सड़क नहीं, अब बगावत! रिछाबच्चा नई आबादी की जनता द्वारा 4 मई से धरना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम रिछाबच्चा नई आबादी, अम्बेडकर नगर के निवासियों ने अब आंदोलन की हुंकार भर दी है। वर्षों से मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी से परेशान ग्रामीण 04 मई से धरना आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। गाँव के सभी नागरिकों ने भीम आर्मी जिलाध्यक्ष इंजी. राकेश सूर्यवंशी एवं जिला टीम के साथ मिलकर पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर कमर कस ली है। कुछ दिनों पहले भी संयुक्त रूप से कलेक्ट्रेट मे सड़क को लेकर ज्ञापन दिया गया था यह बस्ती वर्ष 1985 से बसी हुई है, जहाँ 400 से अधिक आबादी निवास करती है। खास बात यह है कि यहाँ के लगभग 90त्न निवासी अजा, अजजा वर्ग से आते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले 41 वर्षों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें रही, लेकिन जातिगत भेदभाव के कारण इस क्षेत्र की लगातार अनदेखी की गई। करीब 1.5 किलोमीटर के मुख्य रास्ते का आज तक निर्माण नहीं हुआ, जिससे लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस भेदभाव के खिलाफ अब ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने भीम आर्मी से आंदोलन में समर्थन मांगा, जिस पर संगठन के जिलाध्यक्ष और जिला इकाई ने पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। 04 मई से शुरू होने वाले इस आंदोलन की मुख्य मांग है कि प्रशासन लिखित में समय-सीमा तय करते हुए सड़क निर्माण का आश्वासन दे। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उन्हें ठोस और लिखित जवाब नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। यह जानकारी स्थानीय निवासी राधेश्याम श्रीमाल द्वारा दी गई है।

भावगढ़ पुलिस ने जब्त किया 27 किलो एसिटिक एनहाईड्रेड केमिकल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भावगढ़ थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक बाईक में रखे केन से 25 किलो एसिटिक एनहाईड्रेड केमिकल बरामद किया है, जो मादक पदार्थ बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मौके से बाईक पर सवार एक विधि विरुद्ध बालक को हिरासत में लिया गया है, जबकि एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। भावगढ़ थाने के इंचार्ज थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेन्द्रसिंह सिसौदिया व पुलिस टीम द्वारा 03 मई की रात्रि में वाहन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान निम्बोद- बेहपुर रोड पर चांदाखेड़ी फंटे पर एक बाईक पर दो व्यक्ति बैठे दिखे। बीच में एक केन थी। दोनों पुलिस को देखकर भागने लगे, जन्हें फोर्स की मदद से पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान पीछे बैठा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। बाईक पर सवार एक विधि विरुद्ध बालक ने बताया कि उक्त एसिटिक एनहाईड्रेड केमिकल का प्रयोग युवराजसिंह पिता भगवानसिंह राजपूत निवासी रणायरा थाना कालूखेड़ा रतलाम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ बनाने में प्रयुक्त होना है। इस तरह उसके कब्जे से 27 किलो केमिकल जब्ती में लिया गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई हेतु मामले को जांच में लिया है।

आईएमए द्वारा मेगा निःशुल्क डायबिटीज कैंप संपन्न, 1500 से अधिक मरीजों ने उठाया लाभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मंदसौर द्वारा स्थानीय संजय गांधी उद्यान में आयोजित निःशुल्क मेगा डायबिटीज़ अवेयरनेस एवं टेस्ट कैंप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 1500 से अधिक मरीजों ने अपनी जांच करवाई और विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर एवं नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने शिविर का अवलोकन किया। अतिथियों ने आईएमए की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक ही छत के नीचे डायबिटीज से जुड़ी इतनी जटिल जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराना मानवता की बड़ी सेवा है।

जागरूकता प्रदर्शनी रही मुख्य आकर्षण- इस अवसर पर डायबिटीज से बचाव और इसके प्रबंधन हेतु एक शानदार प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी के माध्यम से चित्रों और मॉडल्स द्वारा आम जनता को जीवनशैली में बदलाव, सही खान-पान और नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक किया गया, जिसे आगंतुकों ने काफी सराहा। कैंप की सफलता में मेडिकल कॉलेज, शहर के विभिन्न निजी चिकित्सालयों एवं आईएमए के सदस्य चिकित्सकों का सक्रिय और सराहनीय सहयोग रहा। शिविर में मरीजों की शुगर, एचबीएवनसी, पैरों की नसों की जांच, आंखों के रेटीना की जांच सहित बीपी, ईसीजी जैसे महत्वपूर्ण टेस्ट निःशुल्क किए गए। साथ ही, डायटीशियन द्वारा आहार चार्ट से समझाइश दी गई। हेल्दी ब्रेकफास्ट की सुविधा भी प्रदान की गई। आईएमए मंदसौर के अध्यक्ष डॉ. सुरेश पमनानी और सचिव डॉ. अभिनव पारीख एवं पदाधिकारियों ने शिविर को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगी अस्पतालों, समर्पित चिकित्सकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकल्प दोहराया कि भविष्य में भी जनहित में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

पुराना बस स्टैंड या कचरा घर नगरपालिका की लापरवाही से सेहत पर संकट

बस स्टैंड पर गंदगी का अंबार गोल चौराहे पर शिव मेडिकोज से हेमू कालानी चौराहे तक अतिक्रमण को अनदेखा,आधा-अधूरा अभियान क्यों?

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अगर समय रहते प्रशासन नहीं जागा, तो पुराना बस स्टैंड यात्रियों का नहीं बल्कि कचरे और आवारा पशुओं का स्थायी ठिकाना बन जाएगा। यह कहा स्वतंत्र लेखक और सामाजिक चिंतक असअद अंसारी ने उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने की आधी-अधूरी कार्रवाई जनता के साथ अन्याय है।कार्रवाई हर जगह समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शहर का पुराना बस स्टैंड, जो यात्रियों की आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, आज बदइंतजामी और प्रशासनिक उदासीनता का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। रात लगभग 8 बजे की स्थिति यह स्पष्ट कर देती है कि नगरपालिका प्रशासन अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों से किस कदर दूर हो चुका है।बस स्टैंड परिसर में चारों ओर फैला कचरा, दुर्गंध और गंदगी न केवल स्थानीय व्यापारियों बल्कि आम नागरिकों के लिए भी गंभीर परेशानी का कारण बन रही है। मौके पर लगभग 15 गौवंश और कई आवारा कुत्ते कचरे में भोजन तलाशते दिखाई देते हैं, जिससे गंदगी और अधिक फैल रही है।

स्थानीय फल व्यापारी राधेश्याम अग्रवाल के अनुसार, यहां रोज़ाना यही स्थिति रहती है। कचरे की बदबू असहनीय हो जाती है और पशु उसे चारों ओर फैला देते हैं, जिससे संक्रमण और मच्छरों का खतरा बढ़ता जा रहा है। कुछ अन्य व्यापारियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि पहले यहां नियमित सफाई होती थी, लेकिन हाल ही में सफाई कर्मी को हटा दिया गया, जिसके बाद हालात और बिगड़ गए हैं। यह समस्या केवल गंदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। मच्छरों और सड़ांध के कारण बीमारियों के फैलने की आशंका लगातार बढ़ रही है, जो किसी भी समय बड़े संकट का रूप ले सकती है।श्री अंसारी ने यह भी कहा की शहर में अतिक्रमण हटाने को लेकर नगरपालिका द्वारा चलाया गया अभियान सराहनीय रहा है, जिससे कई मार्ग चौड़े और सुगम हुए हैं। लेकिन यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या यह अभियान पूरी तरह निष्पक्ष और व्यापक है? शिव मेडिकोज से से लेकर अमर शहीद हेमू कालानी चौराहे तक सड़क के दोनों ओर व्यापक अतिक्रमण मौजूद है। यह क्षेत्र शहर का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां रोज़ भारी आवागमन रहता है, लेकिन यहां की स्थिति बताती है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अभी अधूरी है।

असअद अंसारी ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि बस स्टैंड क्षेत्र में तत्काल नियमित सफाई व्यवस्था बहाल की जाए। हटाए गए सफाई कर्मी की पुनः नियुक्ति या वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। आवारा पशुओं के प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। कचरा निस्तारण की स्थायी और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, शिव मेडिकोज से हेमू कालानी चौराहे तक सड़क के दोनों ओर से अतिक्रमण हटाकर मार्ग को पूर्णतः सुगम बनाया जाए।

सम्पादकीय

स्वावलंबन एवं स्व-रोजगार बेहतर विकल्प

स्वयं की क्षमता, शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानना आज के नव युवकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वयं के विकास से तात्पर्य खुद के लिए अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार की तलाश राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण योगदान भी हो सकता है।

भारत की विशाल आबादी के हिसाब से भारत नौजवानों का देश है और भारत सरकार के लिए इतने युवा लोगों के लिए नौकरी उपलब्ध कराना संभव भी नहीं है कि सभी युवकों के लिए समुचित नौकरी का प्रबंध या इंतजाम कर सके। ऐसे में पढ़े-लिखे नौजवानों का यह महती दायित्व बन जाता है कि वह स्वयं की क्षमता को पहचान कर मेक इन इंडिया या स्वावलंबी होने का भरसक प्रयास करें। स्वयं की क्षमता को पहचानने वाला व्यक्ति समाज में एक आदर्श बनकर उभरता है और उसकी प्रसिद्धि समाज में स्वयं हो जाती है। युवक स्वयं का रोजगार बनाकर न सिर्फ खुद की बेरोजगारी दूर करता है, बल्कि वह दूसरों के लिए भी रोजगार का साधन बन जाता है। यह राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक समीचीन तथा राष्ट्रीय विकास के लिए एक अच्छे सूचक के रूप में सामने आता है।

स्वयं अपनी क्षमताओं को पहचानना एवं अपने अंदर के उद्यमी को रोजगार के लिए उपयोग में लाना मनुष्य का एक तरह का अलंकार या आभूषण ही है जो मनुष्य के लिए सुखी होने का बड़ा स्रोत है। वैसे भी नौकरी करके युवा एक तरह से परतंत्र, पराधीन हो जाता है और अपनी क्षमताओं का खुलकर प्रयोग नहीं कर पाता यही कारण है कि राष्ट के समग्र विकास में उसकी क्षमताओं का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।राष्ट्रीय योजना मेक इन इंडिया के अंतर्गत आव्हान किया गया है कि नौजवानों को अपनी शिक्षा,तकनीकी शिक्षा एवं स्किल का उपयोग कर भारत देश के लिए हर तरह के आवश्यक वस्तुओं का स्वयं निर्माण करें एवं दूसरे नौजवानों के लिए आदर्श स्थापित करें जिससे संपूर्ण देश स्वावलंबी बने।

स्वयं की क्षमताओं को पहचानने वाला व्यक्ति स्वतंत्र ,स्वाभिमानी होकर स्वयं पर पूर्ण विश्वास करने वाला आत्मविश्वासी व्यक्ति होता है। ऐसे में भविष्य में राहों में जितनी भी मुश्किल है या कठिनाई आती है उसका वह अपने ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करने से नहीं चूकता है। अपनी क्षमताओं को पहचानने के कारण व्यक्ति अत्यंत सरल, सहज एवं आत्मविश्वासी होकर दूसरों की मदद करने से भी पीछे नहीं हटता। स्वयं का रोजगार तलाशने या अपने लिए कोई उद्यम बनाने में युवाओं में जो ज्ञान प्राप्त होता है फल स्वरूप वह युवा अत्यंत त्यागी तथा समाज के लिए सेवा भाव भी रखने वाला होता है। स्वावलंबन से दूसरों पर निर्भर होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती एवं अपने ही ज्ञान तथा क्षमता से वह उन्नति के सोपान चढ़ते जाता है, एवं राष्ट के लिए एक धरोहर की तरह होता है।

खुद की क्षमता पहचान कर अपना उद्यम डालने से न सिर्फ समाज में विकास होता बल्कि देश में भी विकास के योगदान में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होता है। ऐतिहासिक तौर पर भी खुद की क्षमता पहचानने एवं अपनी उर्जा को सही दिशा में लगाने के कारण बड़े-बड़े महापुरुषों का जन्म हुआ है। जितने भी बड़े महापुरुष हुए हैं, वे पैदाइशी महापुरुष नहीं थे उन्होंने अपनी क्षमता, शक्ति एवं ज्ञान को पहचान कर उसमें समुचित एवं निरंतर परिश्रम कर एक नए मुकाम को हासिल किया था और तब ही वे महापुरुषों की श्रेणी में शामिल हुए हैं। पौराणिक तौर पर प्रभु श्री राम ने वन गमन कर रावण का वध किया और एक धार्मिक इतिहास बनाया। अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे सही दिशा देने का सबसे बड़ा उदाहरण एकलव्य है जिसने जंगल में धनुर्विद्या लगातार अभ्यास करके अर्जुन की तरह बहुत बड़े धनुर्विद्या के शूरवीर बने।

कोलंबस ने भी अपनी शक्ति क्षमता को पहचानते अमेरिका की खोज की और गरीब मां बाप की संतान अमेरिका के राष्टपति अब्राहम लिंकन ने अमेरिका का सर्वोच्च पद प्राप्त किया। राइट ब्रदर्स ने अपने ज्ञान का समुचित विकास एवं उपयोग कर हवाई जहाज की खोज की। खुद की शक्ति एवं ऊर्जा के विकास और स्वावलंबन का सबसे बड़े उदाहरण महात्मा गांधी रहे जिन्होंने ना सिर्फ अपनी क्षमता को पहचाना बल्कि पूरे हिंदुस्तानियों को दिशा दिखा कर स्वतंत्रता का आह्वान कर स्वाधीनता प्राप्त की और महात्मा गांधी के रूप में भारत में स्थापित हुए। खुद की क्षमता एवं शक्ति को पहचानने से व्यक्ति भी महानता की श्रेणी में खड़ा होकर देश के विकास में एक बड़ा सोपान अर्जित करता है। इससे सिर्फ व्यक्ति ही महान नहीं बनता बल्कि देश को भी महान बनाने में उसका योगदान बहुत ज्यादा तथा महत्वपूर्ण होता है। मनुष्य अपनी क्षमताओं को वैसे तो आसानी से पहचान नहीं पाता है लेकिन यदि वह अपनी अंतर शक्ति, विशेषताओं को किसी भी उम्र में भी पहचान कर उसका देश के लिए समुचित उपयोग कर सकता है इसीलिए मेक इन इंडिया के लिए युवकों को अपनी क्षमताओं शक्ति तथा ऊर्जा को पहचान कर नए नए उद्यम लगाकर देश के विकास में सहयोग करना चाहिए। यह एक सकारात्मक चरित्र विकास की प्रथम पंक्ति होती है।

प्रकृति की सहायता से सूक्ष्म व स्थूल शरीर का संतुलन ही सहजयोग ध्यान है

मनुष्य के शरीर की संरचना प्रकृति के पंच तत्वों से हुई है। प्रकृति की सहायता से मनुष्य अपने भीतर सन्तुलन स्थापित कर सकता है। हमारे अंदर के सात चक्र प्रकृति के भिन्न-भिन्न तत्वों से ही बने हैं और इन्हीं की सहायता से हम सूक्ष्म तंत्र को शुद्ध कर सकते हैं। उदाहरण के लिए हमारे द्वितीय चक्र स्वाधिष्ठान की संरचना में अग्नि तत्व सहाय है। इसी चक्र से शुरु होती है दायीं ओर की नाड़ी जिसे पिंगला नाड़ी कहा गया है। पिंगला नाड़ी पर श्री हनुमान जी एवं श्री महासरस्वती की शक्ति विराजित है। यह कर्म की नाड़ी है, हमारी सारी सोचने की शक्ति एवं कर्म इसी नाड़ी द्वारा कार्यान्वित होते हैं। यदि व्यक्ति अतिशयता में जाकर इस तरफ ज़्यादा झुक जाता है, दिन-रात सोच-विचार, प्लानिंग, काम - काज में ही लिप्त रहता है, वह अति शुष्क हो जाता है, क्रोधी हो जाता है एवं परमात्मा से उतना ही दूर होता जाता है, वह अहंकार की चपेट में आ जाता है क्योंकि यही नाड़ी मस्तिष्क वाले भाग में जाकर अहंकार को दर्शाती है, मैं (अहंकार) के झूठे संसार में स्वयं के सुन्दर व्यक्तित्व को खो देता - है, आत्मा के प्रकाश से दूर चला जाता है अर्थात सत्य और शाश्वत तथ्य से दूर चला जाता है। सत्य तो ये है की हम केवल शुद्ध आत्मा है और अहंकार, मद, मोह सब झूठ है।

इस नाड़ी पर सूर्य की भी उपस्थिति होती है, इस नाड़ी के प्रति संतुलन रखने से मनुष्य तेजस्वी हो कर निखर जाता है, जब वह मानव कर्म और इस संसार के भौतिक सुखों की दौड़ को खेल समझ लेता है तो वह संतुलित हो, साक्षीभाव में इसे एक लीला मात्र के रूप में देखता है तो वह दाईं ओर के सभी सुंदर गुणों से आशीर्वादित होता है और उसके कार्य परमात्मा की प्रेम शक्ति द्वारा स्वतः ही आयोजित होते है, उसे दिमाग दौड़ाने की आवश्यकता भी नहीं होती।

परंतु यह केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि अनुभव है। श्री माताजी द्वारा संस्थापित सहजयोग की नींव ही अनुभव है द्य परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी सभी साधकों को संबोधित करते हुए बताती हैं कि हमें बिना अनुभव के कुछ भी मान लेना नहीं चाहिए और इसीलिए कुण्डलिनी जागरण की सहायता से हम, परमात्मा की प्रेम शक्ति को अपने हाथों पर एवं तालु भाग पर अनुभव करते हैं, आकाश तत्व की सहायता से हम अपने दायें भाग को संतुलित करते हैं। ध्यान में बैठने से पहले हम माँ प्रकृति की सहायता से अपने दाएं एवं बाएं तरफ को संतुलित करते है एवं मध्य में परमात्मा की शक्ति से जुड़ते है। सहजयोग ध्यान पूर्णत~ निन्शुल्क है।

रंग दे बसंती वाले अब राष्ट्र को नया रंग देंगे: प्रसार भारती का नया युग

कभी-कभी एक निर्णय केवल पद परिवर्तन नहीं होता, बल्कि पूरे विमर्श की दिशा मोड़ देता है। प्रसून जोशी का प्रसार भारती के चेयरमैन पद पर आगमन ऐसा ही क्षण है, जहाँ सृजन और सत्ता का संगम नए अर्थ गढ़ने को तैयार दिखता है। गीतों में राष्ट की आत्मा को स्वर देने वाले इस रचनाकार और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष के हाथों में अब दूरदर्शन और आकाशवाणी की कमान है। 2 मई 2026 की यह नियुक्ति सीधे प्रश्न खड़ा करती है–क्या यह पारंपरिक प्रसारण को डिजिटल युग में पुनर्जीवित कर नई प्रासंगिकता देगा, या सार्वजनिक मंचों को और अधिक मुखर सरकारी आख्यान में ढालेगा? असल चुनौती यही है कि यह बदलाव सूचना की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक विरासत के बीच उस सूक्ष्म संतुलन को कैसे साधता है, जिस पर लोकतंत्र की विश्वसनीयता टिकी है।

सृजन की राह पर बढ़ते एक रचनाकार ने अपने शब्दों से युवाओं के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। 'रंग दे बसंती' और 'चांद सिफारिश' जैसे गीतों ने नई पीढ़ी को जोड़ा, वहीं विज्ञापन जगत में 'ठंडा मतलब कोका-कोला', 'हैप्पीडेंट पैलेस', 'दाग अच्छे हैं' (सर्फ एक्सेल) और 'इनक्रेडिबल इंडिया' जैसे अभियानों से उन्होंने सांस्कृतिक गहराई का नया आयाम रचा। उनकी अभिव्यक्ति में देशज मिट्टी की सुगंध और सांस्कृतिक चेतना का सजीव प्रतिबिंब दिखाई देता है, जो शाश्वत मूल्यों को स्पर्श करता है। आधिकारिक तौर पर उन्हें दुर्लभ रचनात्मक प्रतिभा माना गया है, जिनके नेतृत्व में संस्था को नई ऊर्जा, स्पष्ट उद्देश्य और रचनात्मक दिशा मिलने की उम्मीद है। यह बदलाव ऐसे समय में सामने आया है, जब संगठन डिजिटल परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है और उसे नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

बदलते मीडिया परिदृश्य में प्रसार भारती इस समय दोहरे संघर्ष से गुजर रही है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म–नेटफ्लिक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम–युवा दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं, तो दूसरी ओर संपादकीय स्वतंत्रता, सीमित संसाधन और राजनीतिक दबाव जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके बावजूद, वेव्स ओटीटी और पे-पर-व्यू जैसे प्रयोग डिजिटल-फर्स्ट सोच को दर्शाते हैं, जबकि डायरेक्ट-टू-मोबाइल ब्रॉडकास्टिंग और एआई आधारित कंटेंट निर्माण के प्रयास भविष्य की तैयारी का संकेत देते हैं। यदि रचनात्मक दृष्टि और नवाचार का सही समावेश हो, तो ग्रामीण भारत की अनकही कहानियों को वीआर/एआर के जरिए जीवंत करना, क्षेत्रीय भाषाओं में पॉडकास्ट बनाना और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच तक पहुंचाना संभव है। इसी दिशा में शुरू किए गए 'क्रिएटर्स कॉर्नर' जैसे कार्यक्रम भी युवा डिजिटल क्रिएटर्स को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास दर्शाते हैं।

उभरती संभावनाओं के बीच आशंकाओं का साया और गहरा दिखाई देता है, क्योंकि यह संस्था बरसों से अपनी वास्तविक स्वायत्तता के लिए जूझती रही है। हाल के वर्षों में वरिष्ठ संपादकों के क्रमशः हाशिए पर जाने, तकनीकी तंत्र के बढ़ते वर्चस्व और कंटेंट से जुड़े अधिकांश पदों के रिक्त पड़े रहने जैसी स्थितियां उसकी आंतरिक चुनौतियों को उजागर करती हैं। ऐसे परिदृश्य में नेतृत्व के वैचारिक समीकरण भी स्वाभाविक रूप से बहस के केंद्र में आ खड़े होते हैं, जिससे यह सवाल और तीखा हो जाता है कि क्या आगे की राह विविध आवाजों–विपक्ष, आलोचना और क्षेत्रीय सरोकारों–को समान महत्व देगी, या %एक राष्ट, एक स्वर% वाले नैरेटिव को और पुख्ता करेगी? विशेषकर जब देश विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, तब इस परिवर्तन का समय अपने आप में कई गहरे संकेत और अनुत्तरित प्रश्न समेटे हुए है।

नए युग की दहलीज पर खड़ी इस संस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती तकनीकी नहीं, बल्कि उसकी जड़ में बैठी संरचनात्मक सीमाएं हैं, जो डिजिटल पुनर्जन्म की गति को थामे हुए हैं। बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए क्लाउड-आधारित वर्कफ्लो, इमर्सिव प्रोडक्शन और हाइब्रिड डिलीवरी जैसे आधुनिक ढांचों की तत्काल आवश्यकता है। यदि नेतृत्व रचनात्मक दृष्टि के साथ-साथ संस्थागत सुधारों–जैसे संपादकीय स्वतंत्रता की गारंटी, योग्य पत्रकारों की सक्रिय भर्ती और नीतियों में पारदर्शिता–पर समान रूप से बल देता है, तो यह बदलाव सचमुच ऐतिहासिक साबित हो सकता है। तब एक ऐसे सार्वजनिक प्रसारक की कल्पना साकार हो सकेगी, जो केवल सूचना देने तक सीमित न रहकर युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़े, किसानों की आवाज बने और वैश्विक मंच पर देश की सॉफ्ट पावर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए।

किसी भी संस्थान का ठोस और टिकाऊ पुनर्जागरण स्वायत्तता के बिना संभव नहीं होता। जब नेतृत्व अपनी भूमिका को केवल रचनात्मक दायरे तक सीमित रखकर राजनीतिक दबावों को नजरअंदाज करता है, तो वही मंच धीरे-धीरे एक संगठित, प्रभावशाली लेकिन पक्षपाती प्रचार तंत्र में सिमटने लगता है। सार्वजनिक प्रसारण की पहचान निष्पक्षता, विविधता और सख्त जवाबदेही से निर्मित होती है, जो उसकी विश्वसनीयता का आधार हैं। ऐसे संवेदनशील और निर्णायक दौर में जोशी के सामने स्पष्ट परीक्षा है–वे अपनी कविताओं से निकली संवेदनशीलता, दृष्टि और संतुलन को ठोस नीतियों में ढालकर संस्था को नई दिशा, ऊर्जा और भरोसा दे सकते हैं, या फिर इसे अतीत की कहानी का एक और विस्तारित अध्याय बनाकर छोड़ सकते हैं।

यह क्षण केवल बदलाव का संकेत नहीं, बल्कि भरोसे, दृष्टि और चरित्र को फिर से गढ़ने की निर्णायक घड़ी है। प्रसून जोशी के सामने एक साथ अवसर और कसौटी खड़ी है–यदि वे डिजिटल युग की मांग, सांस्कृतिक गहराई की सच्ची समझ और संपादकीय स्वतंत्रता की ठोस मर्यादा को एक सूत्र में पिरो पाते हैं, तो प्रसार भारती न सिर्फ अपनी खोई साख को पुनः अर्जित करेगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की निर्भीक और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरेगा। पर यदि यह संतुलन बिखर गया, तो यह पहल भी औपचारिकता में सिमटकर एक और राजनीतिक निर्णय बन जाएगी। अंततः फैसला इसी पर टिकेगा–क्या वे अपनी रचनात्मक चेतना को स्वतंत्र दिशा देंगे, या उसे सत्ता के स्वर में ढाल देंगे।

-प्रो. आरके जैन

वैश्विक संकट बना अमेरिका-ईरान का टकराव

होर्मुज समुद्री मार्ग पर ईरान के आधिपत्य जमाने की कोशिश और इसके जवाब में अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते पूरे विश्व में ऊर्जा का न केवल संकट बरकरार है, बल्कि वह गहराता भी जा रहा है। जहां अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नहीं निकलने दे रहा है, वहीं ईरान होर्मुज से तेल और गैस लेकर आ रहे जहाजों को रास्ता नहीं दे रहा है। एक तरह से दोनों देश अड़ियल रवैया अपनाए हुए हैं। यह तब है, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम भी कायम है।

फिलहाल इस युद्धविराम से दुनिया को कोई लाभ नहीं मिल रहा है, क्योंकि पश्चिम एशिया का संकट यथावत है और होर्मुज पहले की तरह बाधित है। ट्रंप ने युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने के बाद जब ईरान पर परमाणु मसले पर जल्द समझौते के लिए दबाव डालना शुरू किया तो प्रारंभ में तो वह इस दबाव का प्रतिकार करते दिखा, लेकिन अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी से वह अब कुछ बेचैन दिख रहा है। इसका कारण यह है कि वह जिस तेल का उत्पादन कर रहा है, उसका निर्यात नहीं कर पा रहा है और उसके पास अब और अधिक तेल के भंडारण की क्षमता नहीं बची। ऐसे में उसे अपने तेल कुओं को बंद करना पड़ सकता है। इसके नतीजे में उन्हें स्थायी रूप से नुकसान पहुंच सकता है। शायद इसी कारण ईरान ने पाकिस्तान के जरिये अमेरिका को नया प्रस्ताव भेजा, लेकिन वह ट्रंप को रास नहीं आया। देखना है कि इसके बाद ईरान क्या करता है और ट्रंप क्या करते हैं?

यदि ईरान परमाणु मसले पर समझौते से इन्कार करता रहता है तो ट्रंप उसे नए सिरे से निशाना बना सकते हैं, लेकिन उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर वे अपने घर में ही आलोचना से घिर गए हैं। उनके रक्षा मंत्री विपक्षी डेमोक्रेट सांसदों को यह बता पाने में नाकाम हैं कि ईरान के खिलाफ चले 40 दिन के युद्ध में अमेरिका को क्या हासिल हुआ? अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता विफल होने और दूसरे दौर की वार्ता कराने में पाकिस्तान के नाकाम हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकट सुलझाने के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बात की, लेकिन इससे भी बात बनती नहीं दिखी। इस बातचीत में रूस ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम को अपने पास रखने का प्रस्ताव दिया, लेकिन इस पर बात तभी आगे बढ़ सकेगी, जब ईरान सहमत होगा।

आज यक्ष प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कायम रहेगा या नहीं, बल्कि यह है कि होर्मुज समुद्री मार्ग खुलेगा या नहीं? यदि यह समुद्री मार्ग नहीं खुलता तो तेल और गैस के दाम नीचे आने वाले नहीं और यदि वे इसी तरह बढ़ते रहे तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डगमगा सकती है। कई देशों में तो तेल और गैस के दाम बढ़ भी गए हैं। इसका प्रतिकूल असर उद्योग-धंधों के साथ रोजगार पर भी पड़ रहा है। अभी तक भारत को केवल एलपीजी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को इस किल्लत के बीच कमर्शियल सिलिंडरों के दाम बढ़ाने पड़े हैं।

-संजय गुप्त

वर्ल्ड लाफ्टर डे: बिना वजह हँसिए, क्योंकि यही असली जीना है

चेहरे पर जमी थकान की परतें और आँखों में ठहर गया तनाव कई बार मुस्कान को भी एक औपचारिक अभिनय जैसा बना देते हैं। इसी बीच 04 मई को मनाया जाने वाला वर्ल्ड लाफ्टर डे समय की धारा में एक ऐसा विराम बनकर आता है, जो मन के भीतर जमा बोझ को हिलाकर हल्कापन की ओर मोड़ देता है। यह स्पष्ट करता है कि मनुष्य केवल जिम्मेदारियों का बोझ ढोने वाला अस्तित्व नहीं है, बल्कि उसके भीतर एक सहज, जीवंत और स्वतः प्रकट होने वाली ऊर्जा छिपी होती है, जो बिना किसी कारण पूरे वातावरण को हल्का कर सकती है। हँसी कोई सजावटी भाव नहीं, बल्कि भीतर जमे तनाव को पिघलाकर जीवन को पुनः सरल, खुला और सांस लेने योग्य बनाने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है।

मुंबई के एक साधारण पार्क की जमीन पर खड़ा वह छोटा-सा प्रयोग आज दुनिया के कोने-कोने में फैल चुकी एक शांत लेकिन गहरी क्रांति का रूप ले चुका है। डॉ. मदन कटारिया ने जब हँसी को बिना किसी चुटकुले, बिना मंच और बिना प्रदर्शन के एक साधना के रूप में प्रस्तुत किया, तब यह विचार लोगों को असामान्य और नया लगा था। लेकिन समय के साथ यह पहल केवल अभ्यास नहीं रही, बल्कि हजारों लोगों की दिनचर्या में शामिल होने लगी। आज अनेक देशों में सुबह के समय लोग समूह बनाकर बिना किसी कारण के हँसते हैं। यह दृश्य साधारण मनोरंजन से आगे बढ़कर एक मानसिक पुनर्जागरण जैसा प्रतीत होता है, जहाँ हर व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए अपने भीतर जमा तनाव और बोझ को छोड़कर हल्केपन का अनुभव करता है।

शरीर के भीतर चल रही सूक्ष्म प्रक्रियाओं पर यदि ध्यान दिया जाए तो हँसी एक ऐसी शक्ति प्रतीत होती है, जिसका असर किसी अदृश्य उपचार से कम नहीं होता। जब व्यक्ति खुलकर हँसता है, तो भीतर तनाव उत्पन्न करने वाले तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और मन में हल्कापन बढ़ने लगता है। श्वास की लय बदल जाती है, हृदय की गति संतुलित होने लगती है और मानसिक दबाव धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। इसी कारण अनेक चिकित्सकीय अध्ययन हँसी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानते हैं। यह बिना किसी लागत के प्राप्त होने वाली ऐसी प्राकृतिक ऊर्जा है, जो शरीर और मन दोनों को संतुलन और स्थिरता की दिशा में ले जाती है।

हँसी का सबसे विलक्षण गुण यही है कि उसे समझने के लिए किसी शब्द या अनुवाद की आवश्यकता नहीं पड़ती। एक ठहाका दुनिया के किसी भी कोने में समान अर्थ और समान प्रभाव रखता है, चाहे वह किसी भी संस्कृति या समाज से जुड़ा हो। जब दो अनजान लोग भी एक साथ हँस पड़ते हैं, तो उनके बीच की अनदेखी दूरी कुछ ही क्षणों में मिटने लगती है। इसी वजह से वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु बन जाता है। यह दिन यह भी स्पष्ट करता है कि दुनिया को एकजुट करने के लिए बड़े-बड़े शब्दों की नहीं, बल्कि सच्ची, सहज और दिल से निकली मुस्कान की आवश्यकता होती है।

डिजिटल युग में हँसी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। मोबाइल स्क्रीन, छोटे वीडियो और मीम्स ने मनोरंजन को आसान जरूर बना दिया है, लेकिन असली हँसी धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। वास्तविक हँसी केवल चेहरे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे शरीर को हल्का और तरोताजा कर देती है। यह दिन याद दिलाता है कि हँसी देखने या पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि जीने की अनुभूति है। जब परिवार या मित्रों के बीच बिना कारण ठहाके गूंजते हैं, तो वही पल जीवन की सबसे सच्ची याद बन जाते हैं।

न उम्र की दीवार, न पद की पहचान–हँसी हर इंसान के भीतर समान रूप से धड़कती एक सहज शक्ति है, जो बस बाहर आने का रास्ता चाहती है। लाफ्टर क्लबों में जब लोग बिना किसी कारण ठहाके लगाने लगते हैं, तो वह शुरुआत में अभ्यास लगता है, लेकिन कुछ ही समय में वही हँसी सच्ची प्रसन्नता में बदलकर मन का भार उतार देती है। धीरे-धीरे यह स्थिति आदत नहीं, स्वभाव बन जाती है, जो भीतर जमा तनाव को हल्केपन में बदल देती है। यह अनुभव साफ कर देता है कि खुशी बाहर तलाशने की चीज नहीं, बल्कि भीतर ही मौजूद वह ऊर्जा है जिसे केवल जगाने की जरूरत होती है। सामाजिक जीवन में हँसी एक अदृश्य मरहम की तरह काम करती है, जो रिश्तों की कठोरता को सहज ही नरम कर देती है। जहाँ तनाव बढ़ता है, वहाँ एक हल्की मुस्कान भी पूरे माहौल की दिशा बदल सकती है। कार्यस्थलों पर हल्कापन रहने से संवाद सहज होता है और सहयोग बढ़ता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक दिन नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार को नई दिशा देने का अवसर है। जब लोग साथ हँसते हैं, तो उनके बीच की अनदेखी दीवारें कमजोर होती हैं और विश्वास मजबूत होकर समाज को सकारात्मक बनाता है।

जीवन की भीड़ में अक्सर लोग गंभीरता को ही सब कुछ मान लेते हैं, लेकिन असली संतुलन हँसी में छिपा होता है। यह बिना किसी मूल्य के मिलने वाली वह शक्ति है जो मन के अंधकार को घटाकर रिश्तों में सहज गर्माहट भर देती है। जब इंसान हँसना सीख लेता है, तो उसका नजरिया बदल जाता है और जीवन को देखने का ढंग भी नया हो जाता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे यही संदेश देता है कि गंभीरता जरूरी है, पर हल्कापन उससे भी ज्यादा आवश्यक है। हँसी वह ऊर्जा है जो इंसान को भीतर से जीवित रखती है और दुनिया को अधिक मानवीय बनाती है।

-कृति आरके जैन

2026 का तेल संकट: 1970 के दशक जैसा खतरा या नए बदलाव की आहट?

फारस की खाड़ी की नाकाबंदी संभवतः कुछ समय तक जारी रहेगी। मान लेते हैं कि तेल की कीमत 160 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर हो जाएगी, जो युद्ध शुरू होने से पहले की कीमत से लगभग दोगुनी है। इसके अल्पकालिक प्रभाव स्पष्ट हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रवासियों से हासिल होने वाली आय में गिरावट, माल निर्यात में कमी और ऊर्जा के लिए बढ़े हुए आयात बिल का सामना।

लेकिन एक अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण से, 2027 और उसके बाद की स्थिति को देखते हुए हमें काम कर रही शक्तियों की पहचान करनी होगी और समायोजन प्रक्रिया को समझना होगा। इसमें अनुमान शामिल होगा, लेकिन इसे आर्थिक इतिहास और व्यापक आर्थिक सिद्धांतों पर आधारित किया जा सकता है।

सत्तर के दशक का झटका बनाम 2026 का झटका- 1970 का दशक हमें संदर्भ प्रदान करता है। दुनिया ने 1973 और 1979 में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी उछाल देखीं। हम उन झटकों की कार्यप्रणाली और उनके समाधान को समझते हैं। यह हमें आज की स्थिति को समझने में मदद देता है। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में तेल और गैस का हिस्सा 1970 के दशक के 62 फीसदी से घटकर आज 55 फीसदी हो गया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अधिक ऊर्जा-सक्षम हो गई है~ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रति डॉलर पर 7.9 मेगाजूल से घटकर 5.3 मेगाजूल, यानी 33 फीसदी का फायदा। वैश्विक तेल-गहनता प्रति डॉलर जीडीपी पर 117.6 ग्राम से घटकर 69.4 ग्राम हो गई है, यानी 41 फीसदी की कमी।

भारत की ऊर्जा संरचना में तेल और गैस का हिस्सा 1970 के दशक के 13 फीसदी से बढ़कर आज 31 फीसदी हो गया है, यानी 139 फीसदी की वृद्धि। भारत में तेल-गहनता 63 ग्राम तेल प्रति डॉलर जीडीपी पर स्थिर बनी हुई है। कीमतों में व्यवधान का आकार अलग है। 1970 के दशक में कीमतें 12 गुना बढ़ीं, 2.9 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 35 डॉलर प्रति बैरल तक जा पहुंचीं। ब्रेंट वर्तमान में 109 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। मान लीजिए कि मौजूदा स्थिति में कीमतें दो गुना बढ़ जाती हैं, यानी 80 डॉलर से 160 डॉलर तक पहुंचती हैं। बाजार संतुलन के लिए ऐसी कीमत चाहिए जो आपूर्ति और मांग को संतुलित करे।

अभी यह तय नहीं हुआ है कि 160 डॉलर संतुलन मूल्य है या नहीं। हमारी आशा है कि इतने कीमत समायोजन से वैश्विक आपूर्ति बढ़ेगी और मांग उतनी घटेगी जितनी आवश्यक है। यदि समायोजन इसी स्तर पर पूरा होता है, तो यह झटका 1970 के दशक की तुलना में हल्का होगा।

आयातक अर्थव्यवस्थाओं से निर्यातक अर्थव्यवस्थाओं की ओर धन का स्थानांतरण वैश्विक व्यापक आर्थिक व्यवधान का एक और दृष्टिकोण है। 1980 में यह स्थानांतरण विश्व जीडीपी का 2.5 फीसदी था। वर्तमान अनुमान बताता है कि यह स्थानांतरण उसका एक फीसदी होगा।

कैसी प्रतिक्रिया देगी दुनिया- हमें व्यापक आर्थिक नीति के संस्थागत ढांचे पर ध्यान देना होगा। 1970 के दशक में केंद्रीय बैंकों के पास स्पष्ट नॉमिनल आधार नहीं था और उन्होंने गलतियां कीं, जिससे व्यापक आर्थिक अस्थिरता उत्पन्न हुई। आधुनिक व्यापक अर्थशास्त्र उन्हीं गलतियों के जवाब में बना, जो तेल संकट के दौरान वैश्विक प्रतिक्रिया में हुई थीं। मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण, लचीली विनिमय दर,खुले पूंजी खाते ये सभी 1970 के दशक की कठिनाइयों से उत्पन्न हुए। आज, मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण करने वाले केंद्रीय बैंक वैश्विक जीडीपी के बड़े हिस्से की निगरानी करते हैं। प्रमुख केंद्रीय बैंक कीमतों के झटके के जवाब में 1970 के दशक की गलतियों को नहीं दोहराएंगे।

ऊर्जा की मांग अल्पकाल में कम मूल्य का लचीलापन दिखाती है। समय के साथ, लगातार ऊंची कीमतें व्यवहार बदल देती हैं। परिवार और कंपनियां लगातार विकल्प तलाशते हैं। आज तकनीकी सीमाएं ऐसे विकल्प उपलब्ध कराती हैं, जो 1970 के दशक में मौजूद नहीं थे। उदाहरण के लिए, 50 साल पहले परिवहन पर जीवाश्म ईंधन का एकाधिकार था। आज, इलेक्ट्रिक वाहन एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करते हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव पूरी दुनिया में तेजी से हो रहा है। यूरोप में रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की ऊर्जा ब्लैकमेलिंग ने नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में प्रति वर्ष एक प्रतिशत अंक की वृद्धि को प्रेरित किया। 2026 का मूल्य झटका दुनिया भर में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। 1970 के दशक में ऐसा कुछ नहीं था।

धन के प्रवाह का अनुसरण- हमें पेट्रो डॉलर के पुनर्चक्रण की जांच करनी होगी। पेट्रो डॉलर के पुनर्चक्रण का मतलब है तेल आयातक देशों को जो अतिरिक्त राजस्व हो रहा है उसको वापस वै?श्विक वित्तीय व्यवस्था में निवेश करना। ऊंची तेल कीमतें उपभोग कर की तरह काम करती हैं। आयातक अर्थव्यवस्थाओं (जैसे भारत) से निर्यातक अर्थव्यवस्थाओं की ओर आय स्थानांतरित होती है। इस आय का आगे का उपयोग वैश्विक मांग के पैटर्न को निर्धारित करता है। यह धन वैश्विक मांग में वापस कैसे आता है? पेट्रो डॉलर पुनर्चक्रण की प्रक्रिया 1970 के दशक के अनुभव से अलग होगी।

फारस की खाड़ी में रुकावट खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों के लिए निर्यात मात्रा को सीमित करती है, जिससे राजस्व की कमी होती है। लाल सागर तक पाइपलाइन जैसी वैकल्पिक पारगमन अधोसंरचना स्थापित करना उनके लिए एक रणनीतिक आवश्यकता है। एक महत्त्वपूर्ण परिदृश्य वह है जिसमें संप्रभु संपत्ति का उपयोग होर्मुज स्ट्रेट की बाधा को दूर करने के लिए किया जाता है। इसके लिए वैश्विक वित्तीय बाजारों में परिसंपत्तियों की बिक्री और बॉन्ड जारी करके संपत्ति का उपयोग करना होगा।

इस परिदृश्य में, फारस की खाड़ी क्षेत्र में विशाल निर्माण और इंजीनियरिंग परियोजनाओं के लिए पूंजीगत व्यय होगा, जो संभवतः प्रति वर्ष 150 अरब डॉलर तक हो सकता है। साथ ही, भू-राजनीतिक वातावरण सैन्य क्षमता में निवेश की मांग करता है। ड्रोन और मिसाइल हमलों से बचाव के लिए नए रक्षा प्रणालियों की खरीद में लगभग 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष की आवश्यकता होगी। इस प्रकार हम इंजीनियरिंग और रक्षा खरीद के इस संयोजन को जीसीसी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रति वर्ष 250 अरब डॉलर की नई मांग के रूप में देख सकते हैं। 1970 के दशक में पेट्रो डॉलर पुनर्चक्रण प्रक्रिया वित्तीय प्रवाह से संचालित थी। वैश्विक वित्तीय प्रणाली इसके लिए तैयार नहीं थी। कई देशों ने पूंजी नियंत्रण का उपयोग किया, विनिमय दरें कठोर थीं और मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण नहीं था। आज, पेट्रो डॉलर पुनर्चक्रण इंजीनियरिंग और रक्षा खरीद के साथ-साथ वित्तीय प्रवाह का संयोजन होगा, जो एक बेहतर वैश्विक वित्तीय प्रणाली में होगा। यह वैश्विक व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर वातावरण का वादा करता है।

भारत पर प्रभाव- पश्चिम एशिया में चलने वाली कई परियोजनाएं वैश्विक कंपनियों द्वारा पूरी की जाएंगी जिनमें भारतीय श्रमिक काम करेंगे। भारतीय श्रमिकों से आने वाले प्रेषण में सुधार होगा।

नवीकरणीय ऊर्जा, ड्रोन और मिसाइलें, तेल और गैस इंजीनियरिंग ये तीन क्षेत्र निर्यात बाजारों में महत्त्वपूर्ण हैं। घरेलू वातावरण इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत शांत है। भारतीय कंपनियां पश्चिम एशिया में आने वाले इंजीनियरिंग उछाल से और वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा तथा रक्षा क्षेत्र की वृद्धि से राजस्व प्राप्त करने की कोशिश करके अच्छा कर सकती हैं। यदि ईरान या रूस में शासन सामान्य होता है, तो वहां भी पुनर्निर्माण होगा। अगर घरेलू नीति-निर्माता नवीकरणीय ऊर्जा और अत्याधुनिक सैन्य निर्यात के लिए स्थानीय नीति वातावरण को बेहतर बनाते हैं तो यह भी मददगार होगा।

-धनंजय राजौरा

पत्रकारिता में हो स्वदेशी दृष्टि एवं विश्वसनीयता- श्री कैलाश सनोलिया

देवऋषि नारद जंयती पर पत्रकारों की परिचर्चा का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवऋषि नारद जी की जयंती के अवसर पर विश्व संवाद केंद्र मालव एवं प्रेस क्लब देवास के संयुक्त तत्वाधान में देवास जिले के पत्रकारों के लिए परिचर्चा का आयोजन वरिष्ठ नागरिक संस्था में किया गया। परिचर्चा का विषय स्वदेशी दृष्टि, वैश्विक स्वर ‒ भारतीय मीडिया का नया युग रहा। इस परचर्चा में बड़ी संख्या में देवास जिले के पत्रकार उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार एवं विचारक कैलाश सनोलिया रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब देवास के अध्यक्ष ललित शर्मा ने की।

परिचर्चा का शुभारंभ कार्यक्रम के शुभारंभ भारत माता एवं देवऋषि नारद के चित्रों पर मालार्पण एवं द्वीप प्रज्वल्लन कर हुआ।

प्रेस क्लब अध्यक्ष ललित शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में पत्रकारों को कहा की हम पत्रकारों के मन मे देवऋषि नारद जी विराजित है, वे हम सब के प्रेरणा के स्त्रोत है, उनका संपर्क तीनो लोकों में सभी से रहा है।

मुख्य वक्ता श्री कैलाश सनोलिया ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार नारद जी तीनो लोको के कल्याण हेतु सूचनाओं का आदान प्रदान करते थे, उसी प्रकार हम पत्रकारों को भी सूचना का आदान प्रदान जनकल्याण के लिए करना चाहिए। जिस प्रकार नारद जी पत्रकारिता के सिद्धांत सत्य एवं विश्वनीयता पर आधारित थे, उसी प्रकार हमें भी पत्रकारिता के माध्यम से समाज मे विश्वसनीयता एवं सत्य को प्रबल करना है। भारतीय पत्रकारिता के दो युग है एक स्वतंत्रता के पहले वाला युग एवं दूसरा स्वतंत्रता के बाद का। स्वतंत्रता के पहले वाले युग का मूल उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति था। माखनलाल चतुर्वेदी, महात्मा गांधी, बालगंगाधर तिलक आदि स्वतंत्रता संग्राम सैनानी पत्रकार भी थे, वे समाचार पत्र संचालित करते थे। वर्तमान युग में समाज के लोग एवं आम नागरिक पत्रकारों को विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में जानते है, जब आम जनता की कोई समस्या शासन प्रशासन एवं नेताओं के माध्यम से हल नहीं होता है, तो वह पत्रकारों से संपर्क करता है जो उनकी बातों को समझते हैं एवं अपने लेख के माध्यम से विषय को रखते हैं।

वर्तमान में पत्रकारिता में स्वदेशी दृष्टि की अत्याधिक आवश्यकता है। स्वदेशी का अर्थ मात्रा भारतीय उत्पादों को प्रयोग में लेना ही नहीं है इसका बड़ा ही व्यापक अर्थ है इसका एक अर्थ या भी कि हम हमारे पूर्वजों के बताए गए सत्य एवं विश्वनीयता के पद चिन्हों पर चलें ।

अपने युवा पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में सोशल मीडिया एवं ए आई के कारण अनेकों भ्रामक एवं मिथ्या समाचारों का भी प्रवाह बना रहता है, इससे बचते हुए युवा पत्रकारों को अपनी बौद्धिक क्षमताओं का प्रयोग करते हुए इन भ्रामक विषयों का जाल को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए। मंचासीन अतिथीयो का परिचय सौरभ सचान द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की भूमिका एवं मंच संचालन प्रेस क्लब सचिव शेखर कौशल ने रखी, अतिथियो का स्वागत अनिल सिंह सिकरवार एवं मोहन वर्मा द्वारा किया गया एवं आभार सैय्यद सादिक अली द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर देवास प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष खुमान सिंह बेस, कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ मोदी, सहसचिव अशोक पटेल, अरुण परमार, चेतन राठौड़ वरिष्ठ पत्रकार अतुल शर्मा, मुन्ना वारसी, जितेंद्र पुरोहित, अतुल बागलीकर, सत्येंद्र सिंह राठौर, मुकेश पांचाल, राजेंद्र पवार, नागेंद्र सिंह राजपूत, आनंद सिंह ठाकुर, राजेश पाठक, जयप्रकाश भाटिया, राजेश मालवीय, दीपेश जैन, सुरेश् जयसवाल, कैलाश चौहान, मदन लाल धाकड़, अतुल जुनेजा, प्रताप सिंह ठाकुर, अरविंद त्रिवेदी, तनवीर शेख, चेतन उपाध्याय, डॉक्टर तिवारी, योगेश निगम, अशोक वर्मा, ओमप्रकाश सेन, रणवीर चौहान, सुरेश चौहान, ओम प्रकाश पाटिल, संदीप राठौर, विश्व संवाद केंद्र के प्रकाश व्यास, जगदीश पंवार, डॉ अमित सिंह ठाकुर, आशीष ठाकुर, रोहित माली, योगेश चौधरी सहित कई पत्रकार एवं साहित्यकार उपस्थित रहे।

नारद जयंती पर शाजापुर में भव्य 'देवर्षि नारद समारोह' आयोजित, पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति

मीडिया की भूमिका, भारतीय संस्कृति और 'स्व' की ओर लौटती पत्रकारिता पर हुआ मंथन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर में रविवार को देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर निजी होटल में भव्य नारद समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व संवाद केंद्र मालवा एवं स्थानीय पत्रकारों के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर से बड़ी संख्या में पत्रकारों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारदजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री घनश्याम मालवीय का स्वागत वरिष्ठ पत्रकार मनोज जैन एवं अजित पाराशर द्वारा किया गया। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पत्रिका समूह उज्जैन के संपादक श्री नितिन चावड़ा का स्वागत पत्रकार कमल सूर्यवंशी एवं मनोज जोशी ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों का परिचय पत्रकार अमित शर्मा द्वारा कराया गया।

मुख्य वक्ता श्री नितिन चावड़ा ने भारतीय मीडिया‒ औपनिवेशिक मानसिकता से 'स्व' की ओर विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि पत्रकारिता को भारतीय मूल्यों और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीण पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए मीडिया की जिम्मेदार भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि श्री घनश्याम मालवीय ने अपने उद्बोधन में बदलते मीडिया परिदृश्य, पत्रकारों की जिम्मेदारियों एवं समाज में मीडिया की प्रभावशीलता पर विस्तार से चर्चा की।

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार मनोज पुरोहित, विजय जोशी, मनोज जैन एवं कवयित्री श्रीमती संतोष शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन युवा पत्रकार भरत चतुर्वेदी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पत्रकार सुनील हंचोरिया द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिले के अनेक गणमान्य नागरिक, साहित्यकार एवं पत्रकार उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से जगदीश भवसार, जितेंद्र ज्वलंत, महेंद्र मोहन सोनी, महेन्द्र आचार्य, हेमंत आर्य, अनिल मुकाती, अवनीश त्रिवेदी, बांटी व्यास, मोहित राठौर, आकाश पांचाल, मोहित भवसार, नरेंद्र भाटी, संजय राठौर, अनुराग श्रीवास्तव, अजय कुशवाहा, पीयूष भवसार, मुकेश राठौर,सहित बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल रहे।

कार्यक्रम ने पत्रकारिता के मूल्यों, समाज में उसकी भूमिका और भारतीय दृष्टिकोण को लेकर सार्थक संवाद का मंच प्रदान किया।

सर्वबलाई समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

55 जोड़े बंधे परिणय-सूत्र में, विधायक ने दिया आशीर्वाद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम लाहोरी स्थित संत अमरदास और संत चरणदास साहेब आश्रम में रविवार को सर्व बलाई समाज का 12वां सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया। जहां 55 जोड़ों ने सात फेरे लेकर दाम्पत्य जीवन में कदम रखा। यहां विधायक अरूण भीमावद ने पहुंचकर नवदंपत्तियों को आशीर्वाद दिया।

समाज के इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग जुटे और नए जोड़ों को सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया। सम्मेलन में शादी की सभी रस्में पारंपरिक तरीके से पूरी की गईं। सामूहिक विवाह का मकसद समाज से फिजूलखर्ची को खत्म करना और सादगीपूर्ण शादियों को बढ़ावा देना था। आयोजन समिति की तरफ से मेहमानों के रहने और खाने-पीने के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

विधायक ने की प्रशंसा, 20 लाख रू. की की घोषणा- कार्यक्रम में शाजापुर विधायक अरुण भीमावद भी शामिल हुए। उन्होंने समाज के इस नेक काम की तारीफ की और सर्व बलाई विवाह सम्मेलन समिति को 20 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। विधायक की इस घोषणा पर समाज के लोगों ने खुशी जताई और उनका आभार माना। इस अवसर पर विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि ऐसे आयोजनों से गरीब परिवारों पर शादी का आर्थिक बोझ नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह न केवल दिखावे और फिजूलखर्ची को रोकता है, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का संदेश भी देता है। इस पहल से समाज की कुरीतियों को दूर करने और सरल तरीके से वैवाहिक संस्कार संपन्न कराने में मदद मिलती है।

फ़िल्म अभिनेता सोनू सूद की टीम ने किया देवास में फंड रेजिंग कार्यक्रम आयोजित, 2 लाख 31 हजार रुपये की सहायता राशि भेंट

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के चामुंडा कॉम्प्लेक्स स्थित सहयाजी द्वार के सामने आज सोनू सूद चैरिटी क्लब एवं संस्था हेल्पिंग हैंड्स सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एक विशेष फंड रेजिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उज्जैन की पांच माह की मासूम बच्ची काशी दुबेपुरिया के उपचार हेतु रखा गया था।

जानकारी के अनुसार काशी एक गंभीर बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये का इंजेक्शन आवश्यक है। बच्ची के जीवन को बचाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जनसहयोग अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थल पर भावुक दृश्य देखने को मिले, जहां कई लोगों ने बच्ची की स्थिति जानकर तुरंत आर्थिक सहयोग प्रदान किया। आमजन ने मानवता का परिचय देते हुए अपनी क्षमता अनुसार राशि दान की और बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कार्यक्रम में शहरवासियों, व्यापारियों एवं समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और सहयोग राशि प्रदान की। संस्था अध्यक्ष शुभम विजयवर्गीय ने बताया की संस्था द्वारा एकत्रित 2 लाख 31 हजार रुपये की सहायता राशि बच्ची के माता-पिता को चेक के माध्यम से प्रदान की गई। यह चेक देवास के महाराज विक्रम सिंह पवार के करकमलों से बच्ची की माता को सौंपा गया।

चेक वितरण के समय उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ इस सेवा कार्य का स्वागत किया। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि समाज यदि इसी प्रकार एकजुट होकर आगे आए तो किसी भी जरूरतमंद परिवार को कठिन समय में अकेला नहीं रहना पड़ेगा। कार्यक्रम के दौरान शुभम विजयवर्गीय ने प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सोनू सूद को वीडियो कॉल के माध्यम से जोड़ा और बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही उन्होंने दो दिन पूर्व भी बच्ची की मदद हेतु एक वीडियो संदेश जारी कर सहयोग की अपील की थी।

वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े सोनू सूद ने भी सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे प्रयास लगातार होते रहना चाहिए, जिससे जरूरतमंद लोगों तक समय पर सहायता पहुंच सके। इस दौरान सोनू पंजाबी जी ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने मित्रों, व्यापारिक साथियों एवं परिचितों से संपर्क कर अच्छी राशि एकत्रित कराने में विशेष योगदान दिया। सोनू पंजाबी ने कहा की समाज की सहभागिता से ही ऐसे मानवीय कार्य सफल होते हैं। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। संस्था सदस्यों ने बताया कि आगे भी जरूरतमंद बच्चों, मरीजों एवं गरीब परिवारों की सहायता हेतु इस प्रकार के सामाजिक अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे। हेल्पिंग हैंड्स सोशल वेलफेयर सोसाइटी लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में संस्था के सभी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और मासूम काशी के उज्ज्वल स्वास्थ्य हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में संस्था मानस से करीब 20 बच्चे आए थे। जिन्होंने पूरा कैंपेन सम्हाल और लोगो तक जाकर डोनेशन लिया। इसी कड़ी में संस्था विश्वराजा के मनोज श्रीवास्तव ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई और अपने सभी साथियों से दान की अपील की। कार्यक्रम में संस्था के मनोज श्रीवास्तव, महेश जैसवाल, भूपेन्द्र मौर्य, इन्दर राजपूत, विजय कटेसरिया, अनिल चौहान, धीरेंद्र सिंह, अंकित सिंह पुष्पेंद्र पटेल, हर्ष पवार, अनुकूल चौधरी, नयन जैन, तुषार पाटिल, जीतू चौहान, मोंटी जाधव, दिवाकर राजपूत, डिंपल शर्मा आदि उपस्थित थे।

मक्सी में युवक का, काशीनगर में फांसी पर लटकी मिली नवविवाहिता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को दो लोगों के शव फांसी पर झूलते मिले। जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर मक्सी में एक युवक फांसी के फंदे पर झूलता मिला। वहीं जिला मुख्यालय स्थित काशीनगर में एक युवती का शव फंदे पर झूलता मिला। पुलिस ने दोनो मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना मक्सी थाना क्षेत्र की है। यहां सुबह करीब 6 बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि एक युवक का शव उसके घर के पीछे पेड़ पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। मृतक की पहचान मक्सी निवासी 35 वर्षीय हरिनारायण लोधी के रूप में हुई है। उसका शव वार्ड क्रमांक 4 स्थित हाई सेकेंडरी स्कूल के पास घर के पीछे एक पेड़ पर साड़ी के फंदे से लटका मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शाजापुर जिला अस्पताल भेजा है। दूसरी घटना लालघाटी थाना क्षेत्र के काशी नगर में हुई। यहां एक किराए के मकान में नव विवाहित युवती का शव फांसी पर लटका मिला। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी अजय मिश्रा, थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे और तहसीलदार गौरव पोरवाल सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। युवती की पहचान मोनिका पांचाल के रूप में हुई है।

देवास में शराब माफियाओं पर आबकारी का वार, ढाबों से निकला जखीरा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण और विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने देवास शहर के ढाबों, होटलों और संदिग्ध ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश देकर अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा दिया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में विदेशी एवं देशी मदिरा के साथ एक वाहन जब्त किया गया।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने दिनांक 02 मई 2026 को देवास शहर के भवानी सागर, बिहारीगंज, बालगढ़ रोड, मक्सी रोड सहित विराज होटल और अन्य संदिग्ध स्थानों पर सघन सर्चिंग अभियान चलाया।

दबिश के दौरान टीम ने 06 बोतल विदेशी व्हिस्की, 80 पाव विदेशी मदिरा (वोदका), 90 पाव देशी प्लेन मदिरा एवं एक एक्टिवा वाहन जब्त किया। जब्त सामग्री और वाहन की कुल अनुमानित कीमत 74 हजार 250 रुपए आंकी गई है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत 02 प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।

आज की कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे, उप निरीक्षक निलेश पंवार, प्रेम यादव, अरविंद सोलंकी, आबकारी मुख्य आरक्षक राजाराम रायकवार, दीपक धुरिया, आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, आशीष गुप्ता, निहाल खत्री तथा सैनिक किशोर, अनिल एवं अनिल चौहान शामिल रहे।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि देवास शहर में होटल, ढाबों और अन्य संदिग्ध ठिकानों पर अवैध शराब के संग्रहण, विक्रय और बैठाकर पिलाने जैसी गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

श्रमिकों के अधिकारों को लेकर इंटक का मजबूत संदेश, स्थापना दिवस पर मजदूर एकता के बुलंद हुए स्वर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का स्थापना दिवस रविवार को बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इंटक की स्थापना 3 मई 1947 को महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य मजदूरों को उनके अधिकार, सम्मान और उचित वेतन दिलाना रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंटक नेता महेश राजपूत ने कहा कि आज भी मजदूर वर्ग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है और अपने अधिकारों के लिए लगातार संघर्षरत है। उन्होंने बताया कि इंटक एक ऐसा संगठन है, जो आज़ादी के समय से लेकर आज तक मजदूरों की आवाज़ बनकर उनकी लड़ाई लड़ता आ रहा है और भविष्य में भी यह संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूलाल नगर ने नए श्रम कानूनों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाला समय श्रमिकों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मजदूर वर्ग सजग नहीं रहा, तो उनके अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से इंजीनियरिंग मजदूर सेवा संघ के अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर, ओमप्रकाश नागेश्वर युवा इंटक अध्यक्ष गजेंद्र जाट, इंटक महामंत्री मेहरबान सिंह चौहान, बीना वैष्णव, शबाना मंसूरी, माया धाकड़, रेखा तवर सपना मेहरा मनीषा जी अनीता जी रेखा परिहार शहनाज बानो, पदमा सोलंकी, रुक्मणी राठौर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर इंटक जिंदाबाद, मजदूर एकता जिंदाबाद नारे लगाए।

वंदे मातरम के नारों से देशभक्ति मय हुआ वातावरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम रानी बड़ौद निवासी हवलदार दीवान सिंह मेवाड़ा भारतीय सेना में 18 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। जब वे उनके गृह क्षेत्र पहुंचे तो नगरवासियों ने उनके स्वागत में वंदे मातरम व देशभक्ति के नारे लगाकर वातावरण को देशभक्तिमय बना दिया। पूर्व सरपंच कुमेर सिंह मेवाड़ के भतीजे और दिलीप सिंह मेवाड़ के सुपुत्र दीवान सिंह के सम्मान में अकोदिया से रानी बडौद तक एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। अकोदिया के रेलवे स्टेशन पर दीवान सिंह के पहुंचते ही 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। यहां से भव्य चल समारोह प्रारंभ हुआ। बस स्टैंड स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद यात्रा आगे बढ़ी। डीजे, ढोल-नगाड़ों की थाप और देशभक्ति गीतों के बीच युवाओं ने तिरंगा लहराते हुए उत्साह दिखाया। जगह-जगह आतिशबाजी भी की गई। चल समारोह रेलवे स्टेशन अकोदिया से टप्पा चौराहा, महाराणा प्रताप बस स्टैंड चौराहा, कंगन बाजार चौराहा, एसबीआई रोड, जाटपुरा, रेलवे फाटक होते हुए ग्राम रानी बडौद पहुंचा। मार्ग में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और व्यापारियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर हवलदार दीवान सिंह का स्वागत किया। युवाओं ने उन्हें कंधों पर उठाकर अभिनंदन किया। ग्राम रानी बडौद स्थित निवास पर पहुंचते ही भावुक क्षण देखने को मिले।

जलाभाव जिले में गहराने लगा जल संकट

जो धर्म को रखेगा उसे धर्म रखेगा...मनन कीर्तिश्रीजी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हमारा जन्म आर्यावर्त के जम्बूद्वीप के भरतखण्ड के भारतवर्ष में हुआ है। इस पावन भूमि पर हमारे चौबीस तीर्थंकर भगवंतों ने जन्म लेकर संयमपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए निर्वाण प्राप्त किया। उनके द्वारा प्रदान की गई जिनवाणी आज हमारे जीवन का आधार है। हमें भी अपने धर्म की प्रभावना का संकल्प लेना चाहिए क्योंकि जो धर्म को रखेगा उसे धर्म रखेगा।

यह बात परम पूज्य जैनसाध्वी अमितगुणाश्रीजी म.सा. की प्रशिष्या मननकीर्तिश्रीजी म.सा.ने स्थानीय ओसवालसेरी स्थित जैन उपाश्रय में महावीर पाठशाला द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संस्कार शिविर में उपस्थित बच्चों को धर्म संस्कारों की महत्वत्ता बताते हुए प्रदान किए। इस अवसर पर पूज्य साध्वी धेर्यकीर्तिश्रीजी म.सा. भी विराजित रहे। सर्वप्रथम शिविर का शुभारंभ महामंत्र नवकार तथा प्राथना से हुआ। तत्पश्चात शिविर संचालिका श्रीमती विनीता चोपड़ा ने नवकार महामंत्र का महत्व बताया। वहीं शिविर संचालिका ज्योति जैन ने नवकार की महिमा से जुड़े प्रसंगों का वर्णन किया। सौरभ नारेलिया ने अरिहंत परमात्मा के 12 गुणों का उल्लेख किया। आशुतोष चोपड़ा ने जीवन में सच्चा मित्र धर्म और परमात्मा को बनाने के बारे में समझाया। पंकज मांडलिक ने सामायिक आराधना का महत्व बताया वहीं डॉ. पराग जैन ने बच्चों को योग-प्राणायाम करवाया। रविवार को शिविर की प्रभावना के लाभार्थी विनोद श्रीमाल परिवार रहे। शिविर की विशेष सहयोगी के रूप में महिला मंडल सदस्य हेमा जैन, बिंदू जैन, रजनी जैन, अंकिता जैन तथा रीना धारीवाल उपस्थित रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के बच्चे उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी मंगल नाहर ने दी।

जलाभाव जिले में गहराने लगा जल संकट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बाद अब जिले में जलसंकट भी गहराने लगा है। जिले के कई क्षेत्रों में लोगों को बमुश्किल पानी मिल पा रहा है। जिले के खेड़ा पहाड़ में जिस हैंडपंप के सहारे ग्रामीण जलापूर्ति कर रहे थे वह भी साथ छोड़ चुका है। नतीजन ग्रामीणों को सुबह से शाम तक पानी की पूर्ति के लिए भटकना पड़ रहा है।

जिले के खेड़ा पहाड़ गांव में जल संकट गहरा गया है। जिला मुख्यालय से मात्र 5 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव के ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्रामीण दिनेश बंजार ने बताया कि गांव में पानी की भारी कमी है। यहां का एकमात्र हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। उन्हें पानी के लिए 4 से 5 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। कई परिवारों की महिलाएं और बच्चे प्रतिदिन पानी लाने के लिए इतनी लंबी दूरी पैदल तय करते हैं। गांव में एक निजी कुआं है, जिससे मोटर के माध्यम से पानी निकाला जाता है। हालांकि यह पानी सभी ग्रामीणों के लिए पर्याप्त नहीं है। गर्मी बढ़ने के साथ ही पानी की मांग में भी वृद्धि हुई है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खराब हैंडपंप को जल्द ठीक कराने और गांव में स्थायी जल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि उन्हें इस समस्या से राहत मिल सके।

जिला जलाभाव क्षेत्र घोषित, बांध में भी कम बचा पानी- जिला मुख्यालय पर भी पानी को लेकर स्थिति गंभीर है। यहां पेयजल का एकमात्र स्त्रोत चीलर बांध में भी केवल 4 फीट पानी शेष है। हालांकि जिम्मेदारों का कहना है कि वर्षाकाल तक आसानी से जल वितरण किया जा सकता है। इसमें कोई समस्या नहीं होगी। लेकिन नगर के कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां लोगों को जलसंकट का सामना करना पड़ रहा है और अधिकारियों के दावों पर संशय नजर आता है।

महिदपुर में एक आईपीएल का बड़ा बुकी व सटोरिया बटुक झवेरी पुलिस के शिकंजे से दूर क्यों है

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आए दिन सट्टे के मामले उजागर होते रहते हैं इसके बावजूद सटोरिए महिदपुर शहर में अपने पैर अंगद की तरह जमाए बैठे है।

अभी तो सटोरियों का सब से बड़ा उत्सव चल रहा है काफी समय से देखा जा रहा है,की महिदपुर का एक बड़ा बुकी क्रिकेट और आईपीएल के सट्टे का व्यापार करने वाला बटुक झवेरी महिदपुर नगर में ही आम जनता के बीच खुले आम सट्टा खोरी करने घूम रहा है । उसके बावजूद भी महिदपुर पुलिस उसे क्यों नहीं पकड़ पा रही है? ऐसा लगता है कि कोई बड़े नेता का हाथ उस के ऊपर है । सूत्रों के अनुसार पता चला है कि उस सटोरिए ने महिदपुर नगर के बड़े बड़े व्यापारियों को सट्टे की आईडी दे रखी है, और उसके द्वारा नियुक्त दलाल व्यापारी कम से कम 50 लाख का सट्टे की रकम हार चुका है।

उस व्यापारी के यहां से एक किराना व्यापारी तेल के डिब्बे लाता ओर बेच कर सटोरियों को पेमेंट देता और सटे की आईडी बटुक झवेरी से मिल जाती।सूत्रों के अनुसार यहां भी पता चला है कि बटुक झवेरी के क्रिकेट के अंदर इंटरनेशनल सट्टा किंग दुबई तक के सटोरिए इसके साथ जुड़े हुए हैं महिदपुर पुलिस को इसके व्यापार की जड़ तक पूरी पूरी जानकारी है किन्तु एक। कही ना कही बड़े सत्ता धारी नेता का हाथ होने से पुलिस महिदपुर इसके गिरेबान में हाथ डालने से डर रही है द्य उज्जैन जिला स्तरीय पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल को इस के पास जितने भी मोबाइल है और परिवार में किन किन के मोबाइलों से व्यापार चल रहा है पूरी चेकिंग करना चाहिए? महिदपुर नगर में इतने बड़े-बड़े व्यापार चल रहे हैं और पुलिस प्रशासन को कानों कान तक खबर नहीं चल पा रही है बहुत जल्द इस मामले में इसका एक और सटोरिया दोस्त है उस के भी तार दुबई तक जुड़े हुए हैं और भी नगर के कई बड़े व्यापारी और किराना व्यापारी के नाम की चर्चा है जिनके तार दुबई के सटोरियों तक जुड़े हुवे है जो पुलिस विभाग के लिए चिंता का विषय है द्य महिदपुर पुलिस बटुक झवेरी के ऊपर शिकंजा कस कर तत्काल कार्यवाही करे अन्यथा ये इंटरनेशनल मेल मिलाप एवं हवाला का मामला शहर की सुरक्षा और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भविष्य में खतरनाक न सिद्ध हो, इससे पहले बटुक झवेरी के कहां-कहां तक तार जुड़े हुए हैं और इस के साथ साथ कौन कौन हाई प्रोफाइल लोग जुड़े हुवे है। की निष्पक्ष जांच होना चाहिए।

बहुत जल्द बुकी बटुक झवेरी का पाटनर जिस के तार दुबई तक जुड़े है और किराना व्यापारी व 50 लाख हारने वाला व्यापारी का नाम और फोटो समेत उजागर होगा।

विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यक्रम के दौरान ग्राम बोरदा में 10 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। साथ ही भड़किया तलाई मजरा में 5,72,000 की लागत से स्थापित ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया गया तथा ग्राम बोरदी में 15 लाख की लागत से बनने वाले शेड निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न हुआ।

विधायक श्री भंवरसिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आगामी समय में भी ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता श्री कमलसिंह जी पटेल, श्री मुकेश जी होती, श्री अशोक डावर, श्री तरुण जी पटेल, श्री कैलाश मैडा सरपंच, श्री मानसिंह जी मकवाना बोरदी, श्री अमरसिंह जी मुनिया, श्री तेला जी मैडा, श्री बाबूलाल पारगी, श्री करण जी मकवाना, श्री देवपालसिंह जादव, श्री घनश्याम जी जाट करणपुरा, प्रकाश जी निनामा, श्री घनश्याम जी जाट बोरदा, घनश्याम जी डोडिया, राहुल सिंह पंवार,धर्मेन्द्र सिंह सिसोदिया, महेंद्र सिंह पटेल, हिम्मतसिंह कठोडीया, मनोहर मकवाना, बबलू जी भाभर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने क्षेत्र के विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी विधायक के निज सहायक आर.पी.सिंह द्वारा दी गई।

जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा का आयोजन रविवार को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। जिले में परीक्षा हेतु तीन केंद्र बनाए गए थे। इनमें महाराजा भोज पीजी कॉलेज, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 तथा शासकीय आनंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 शामिल है। इस परीक्षा में कुल पंजीकृत 1739 विद्यार्थियों में से 1698 विद्यार्थी उपस्थित हुए

प्रभारी कलेक्टर श्री अभिषेक चौधरी द्वारा तीनों परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत श्री राहुल गुप्ता (एसडीएम) को सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। साथ ही श्री पंकज यादव (नायब तहसीलदार), सुश्री अनीता बरेठा (नायब तहसीलदार) एवं सुश्री महिमा मिश्रा (नायब तहसीलदार) को तीनों केंद्रों पर सेंटर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया।

इस परीक्षा के नोडल अधिकारी के रूप में श्रीमती आशा परमार (डिप्टी कलेक्टर) ने समन्वय की जिम्मेदारी निभाई। वहीं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक अग्रवाल, प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, बदनावर, धार को सिटी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया था।

बढ़ते तापमान के दृष्टिगत लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ते हुए तापमान से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रवभावों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस संबंध में जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को सतत निगरानी एवं उपचार के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण भी किया जा रहा हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारियों को आने वाले मरीजो की लू के लक्षणों की जांच करने, उचित प्रबंधन करने, ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने तथा वार्ड में शीतलता के लिए पंखों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि तेज धूप एवं ज्यादा देर तक रहना लू लगने का प्रमुख कारण होता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे इलेक्ट्रोराइड का असंतुलन हो जाता हैं। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एक हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट बनाई जा रही हैं एवं गर्मी से संबंधित बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयां संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कार्नर बनाए जा रहे हैं। संवेदनशील समूहों जैसे गर्भवती महिला, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए भी अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्थाओं के निर्देश जारी किये गए है।

सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि गर्मी के दौरान लू से बचाव के नियमित पानी पीते रहे।

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का भव्य आयोजन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मप्रेमी जनों के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि पावन अधिक मास के शुभ अवसर पर भव्य श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के आशीर्वाद एवं पूज्य गुरुदेव की कृपा से सम्पन्न होगा।

यह सात दिवसीय कथा महोत्सव दिनांक 17 मई 2026 से 23 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन कथा का समय दोपहर 12ः00 बजे से 03ः00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

इस पावन कथा का आयोजन श्री चौबीस अवतार मंदिर महातीर्थ, देपालपुर, जिला इंदौर (मध्य प्रदेश) में किया जा रहा है।

कथा वाचन का सौभाग्य परम पूज्य श्री करण जी महाराज को प्राप्त होगा, जो अपने मधुर एवं ज्ञानवर्धक प्रवचनों से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक लाभ प्रदान करेंगे।

इस धार्मिक आयोजन के आयोजक क्षेत्र के समस्त ग्रामवासी हैं, जिनमें प्रमुख रूप से हरनासा, बरोदापंथ, जलोदिया पंथ, खडी, गिरोडा, तकीपुरा, चांदेर, बेगन्दा खजराया पिपलोदा बड़ोली उषापुरा, गोहान डॉसरी कराडिया, खतेडिया, बोरिया, अरणिया, मांगलिया, अजनोटी , रिंजलाय सहित आसपास के सभी ग्रामों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करें तथा आयोजन को सफल बनाएं।

विधायक कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण संगठन आत्मक बैठक हुई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण संगठन आत्मक बैठक रखी गई। जिसमें प्रमुख रूप से संगठनात्मक इकाइयों को मजबूत करने की दिशा में नवनियुक्त विधानसभा प्रभारी राकेश अहीर ने संगठन के प्रत्येक पंचायत नगर पंचायत के प्रत्येक वार्ड में समिति का संगठन किया जाएगा जिसका निर्देशन मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन भोपाल द्वारा किया जाएगा, तथा उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी के निर्देशानुसार कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे तत्पश्चात विधायक भंवर सिंह शेखावत ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को धरातल पर जाकर हर व्यक्ति से संवाद करना होगा तथा अपने कार्य को महत्वपूर्ण रूप से संपादित करना होगा एवं पार्टी को मजबूती प्रदान करना होगी साथ ही साथ उन्होंने आने वाले नगर पंचायत चुनाव के लिए भी सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को तैयार होने के लिएआव्हान किया। बैठक को वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरिनारायण सिंह पवार पूर्व कांग्रेस विधानसभा प्रत्याशी कमल सिंह पटेल एवं किसान नेता आशीष भाकर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी ने भी संबोधित किया ।

बैठक मै नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का विधानसभा प्रभारी राकेश अहीर ने पुष्प माला पहनकर स्वागत किया।

बैठक में बदनावर ब्लॉक अध्यक्ष निरंजन सिंह कानवन ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह गोयल एवं केसर ब्लॉक अध्यक्ष कपिल बामेड़ी विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, तरुण पटेल, नितिन सांखला, देवपाल सिंह जाधव, निर्देश सोनगरा, सुरेश पटेल राम श्रीवास्तव धर्मराज पाटीदार अतुल बाफना जनपद सदस्य निर्भय सिंह जी संदीप सिंह चंद्रावत देवेंद्र सिंह पवार बद्री लाल जी पाटीदार प्रकाश निनामा, देव हरण, शंभू बारिक, दुर्लभ धाकड़, देवेंद्र सिंह पवार, अब्दुल खालिद बादशाह, शेरम भाई युवा कांग्रेस नेता चेतन सिंह राठौड़ एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं नेतागण उपस्थित थे।

अंत में बैठक का आभार नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती ने व्यक्त किया जानकारी विधायक प्रतिनिधि संदीप माहेश्वरी ने दी

सेवा कार्यों के साथ मनाया विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ का जन्मदिवस

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेगूं विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. सुरेश जी धाकड़ के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए भारतीय जनता पार्टी भैंसरोड़गढ़-बोराव मंडल द्वारा विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया।

मंडल अध्यक्ष श्री सुनील जैन के नेतृत्व में टाकरदा बूथ पर कार्यकर्ताओं ने भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया। इसके साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ निरंतर समाज के हर वर्ग के बीच कार्य कर रही है। ऐसे सेवा कार्य न केवल सामाजिक सरोकारों को मजबूत करते हैं, बल्कि संगठन की एकजुटता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करते हैं।

इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील जैन, मंडल महामंत्री लाभचंद राठौड़,मंडल उपाध्यक्ष मनोज मेवाडा,भीमराज धाकड़,ग्राम पंचायत तंबोलिया प्रशासक अशोक सेन,युवा मोर्चा मंडल महामंत्री धर्मेंद्र पूरी,मनीष गांधी,फोरू लाल राठौड़,मुकेश धाकड़,अशोक धाकड़,सुगन धाकड़,शंभू लाल धाकड़ सहित भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करोड़ों की शासन की भूमि पर अवैध कब्जा, वरिष्ठ अधिकारियों का हस्तक्षेप व कार्यवाही की दरकार

मध्य प्रदेश कम्प्यूटरीकृत भू-अभिलेख

फॉर्म पी -II

खसरा

वर्ष: 2024-2025

specimen copy

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, राजस्व विभाग कार्यवाही करने में नाकाम

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मुख्यमंत्री के गृह जिले बड़नगर में करोड़ों की शासकीय भूमि पर वर्षो से अवैध कब्जा कर उस पर खेती कर लाखों करोड़ों रुपए कमाए जा रहे हैं तो वही शासन को राजस्व की हानि पहुंचाई जा रही है लेकिन शासकीय भूमि पर दबंगों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे को लेकर उन पर कार्यवाही करने और शासकीय भूमि पर से भूमाफियाओं का कब्ज छुड़ाकर उसे शासकीय बनाने में बड़नगर तहसील के राजस्व अधिकारी नाकाम साबित हो रही है।

ग्राम बिरियाखेड़ी में सीना ताने खड़ा सरपंच पति का अवैध गोडाउन एक चुनौती तो है ही तहसील में अन्य जगहों पर भी भूमाफियाओं द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा जमाए बैठे हैं आज हम बात कर रहे हैं तहसील के ग्राम भाटपचलाना की जहां पर शासकीय भूमि सर्वे नंबर 1776 रकबा 6.42 हेक्टर सामुदायिक प्रयोजन राष्ट्रीय संग्रहण के लिए आरक्षित है लेकिन वहां पर वर्षो से खेती हो रही है जिसका लाभ भी उठाए जा रहा है और लाखों करोड़ कमाई भी जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार उक्त शासकीय भूमि पर गांव के राजेंद्र सिंह नामक व्यक्ति ने उस पर अवैध रूप से कब्जा कर वहां पर वर्षो से खेती कर रहा है जिसकी जानकारी ग्राम पंचायत से लेकर बड़नगर में बैठे राजस्व अधिकारियों तक को है लेकिन उसके बाद भी उसके बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं होना राजस्व विभाग के जिम्मेदार अधिकारी यो की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करता है कि आखिर अभी तक 32 बिघा कृषि योग्य भूमि जिस पर अवैध कब्जा कर खेती की जा रही है अवैध कब्जाधारी पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई...?

यहां सवाल यह उठता है कि जब शासन ने उक्त भूमि सरकारी सामुदायिक प्रयोजन राष्ट्रीय संग्रहण के नाम से आवंटित कर रखी जिसका रिकॉर्ड खसरे में दर्ज है। उसके बावजूद भी वहां पर एक व्यक्ति द्वारा वर्षो से कृषि की जा रही है और शासन को राजस्व का चुना लगाते हुए वहां पर करीब 32 बीघा भूमि पर अवैध रूप से लाभ कमाते हुए शासन को मजाक बनाते हुए वहां पर खेती की जा रही है बड़ी बात तो यह है कि शासन के जितने भी नुमाइंदे हैं जिसमें चौकीदार सरपंच सचिव सहित अन्य लोगों को अच्छी तरह से जानकारी है कि यह भूमि सरकारी है और सरकारी प्रयोजन के लिए आरक्षित के उसके बावजूद भी इस भूमि पर करीब 25 वर्षो से बिना रोक-टोक के और बिना किसी दखलंदाजी के राजेंद्र सिंह ने इस भूमि पर लाखों करोड़ों का लाभ कमाया है और शासन को सिर्फ ठेंगा बता रहा है उसके ऊपर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई आखिर क्यों...? मुख्यमंत्री के गृह जिले में इस तरह के कार्य होना शर्मनाक और नींद नहीं है आपको बता दें कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में करोड़ों की शासकीय भूमि वर्षो से अवैध कब्जा कर खेती की जा रही है और वह भी बिना शासन को राजस्व दिए या यूं कहें कि शासन को मूर्ख बनाते हुए वहां पर अपनी दबंगई दिखाते हुए खेती कर रहा है लेकिन राजस्व विभाग के आला अधिकारी या यूं कहें कि जमीनी स्तर से लेकर ऊपर तक के पटवारी, गिरधावर, तहसीलदार, एसडीएम सभी यहां पर कोई कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं। अब देखना यह होगा कि शासन की करोड़ों की भूमि पर अवैध कब्जा जमाए बैठे राजेंद्र सिंह द्वारा लाखों करोड़ों रुपए शासकीय भूमि से कमाए जा रहे हैं उसके ऊपर जिले में बैठे वरिष्ठ अधिकारी किस प्रकार की कार्यवाही करते हैं या कार्यवाही कागजो में ही सिमट कर रह जाएगी यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

18 दिनों में नाबालिग को दूँढा, माता पिता से नाराज होकर घर से गई थी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। 14 अप्रैल को फरियादी मुकेश ओसारी पिता शोभाराम ओसारी जाति भील उम्र 35 साल निवासी दोलतपुर हाल मुकाम ड्रीम सिटी बड़नगर ने थाना पर उपस्थित होकर अपनी नाबालिग पुत्री उम्र 16 साल को किसी अज्ञात बदमाश द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिस पर धारा 137(2) बीएनएस का पंजिबद्ध किया गया । थाना प्रभारी बडनगर द्वारा मामला नाबालिग लडकी का होने से मामले की गंभीरता को देखते हुये सूझ बूझ का परिचय देते हुये तत्काल थाना स्तर पर टीम गठित कर नाबालिग अपहर्ता की तलाश प्राथमिकता से कराई गई, पुलिस के अथक एवं सतत प्रयासों (तकनीकि साक्ष्य) की मदद के फलस्वरूप दिनाँक 02.05.2026 को पाबंध सुदा मुखबीर सूचना के आधार पर चंपेलिया बदनावर से बालिका को दस्तायब कर कथन लिये गये जिसमें बालिका ने बताया की मेरी मम्मी व्दारा मोबाईल चलाने पर मोबाईल हाथ से छीन कर फेक देने व डाटने पर गुस्सा होकर अपने घर से बिना बताये चली गई थी। मेरे साथ किसी प्रकार की कोई घटना गलत काम नही हुआ है । बालिका को दस्तयाब कर सकुशल उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया है ।

सराहनीय भूमिका उक्त प्रसंशनीय कार्य में- थाना बड़नगर पुलिस टीम निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि हेमन्त कुमार कटारे, प्रआर प्रदीप डामोर, रामनारायण चौहान, अश्वीन पाठक, मनोहर मोहरी , कैलाश गरवाल , म.आर.ज्योती हाडा की सराहनीय भूमिका रही ।

आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की प्रक्रिया 4 मई से

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की प्रक्रिया 4 मई से शुरू होगी। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयव को निर्देश जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश प्रदान किया जाता है। प्रदेश में आरटीई के तहत प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। प्रथम चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।

द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं होगा- राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा।

सुसनेर में यातायात अभियान, बिना हेलमेट चालकों पर कार्रवाई, चालान के साथ बांटे हेलमेट

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे यातायात जागरूकता अभियान के तहत रविवार को सुसनेर पुलिस ने सख्ती और समझाइश दोनों का अनोखा उदाहरण पेश किया। बिना हेलमेट बाइक चला रहे वाहन चालकों के चालान काटे गए, वहीं उन्हें हेलमेट भी वितरित किए गए ताकि भविष्य में वे सुरक्षित ड्राइविंग करें। सुसनेर थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस के नेतृत्व में यह विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग करते हुए बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को रोका और उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की। प्रत्येक वाहन चालक से 300 रुपए का चालान काटा गया।

इस दौरान केवल दंडात्मक कार्रवाई ही नहीं की गई बल्कि वाहन चालकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। पेट्रोल पंप संचालक के सहयोग से मौके पर ही हेलमेट वितरित किए गए। जिससे लोगों को सुरक्षा का महत्व समझाया जा सके। अभियान के दौरान 30 से अधिक हेलमेट वितरित किए गए।

थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें सिर में गंभीर चोट लगने के कारण होती हैं, जिन्हें हेलमेट पहनकर काफी हद तक टाला जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट का उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें।

पुलिस की इस पहल को आम लोगों ने सराहा और इसे सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक कदम बताया। अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

महाकाल लोक में ठंडी फुहारों का अहसासः भीषण गर्मी से राहत देने फोगिंग सिस्टम शुरू

मानसरोवर से त्रिनेत्र गणेश मंदिर तक पहली बार लगी व्यवस्था, श्रद्धालुओं को मिल रही राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन ने नया कदम उठाया है। अब मंदिर परिसर में भक्तों को ठंडी फुहारों का अहसास होगा। महाकाल लोक में पहली बार अत्याधुनिक फोगिंग सिस्टम शुरू किया गया है, जो गर्मी से राहत दिलाने में कारगर साबित हो रहा है।

पिछले कुछ दिनों से उज्जैन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते आम जनजीवन प्रभावित है, लेकिन आस्था के आगे मौसम भी फीका पड़ गया है। हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में उन्हें गर्मी से बचाना मंदिर समिति के लिए बड़ी चुनौती बन गया था।

इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने मानसरोवर द्वार से लेकर त्रिनेत्र गणेश मंदिर तक फोगिंग सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम हवा में पानी की बेहद महीन बूंदें छोड़ता है, जिससे आसपास का तापमान कम हो जाता है और तुरंत ठंडक महसूस होती है। करीब 900 मीटर लंबे इस मार्ग पर पहले से ही श्रद्धालुओं के लिए टेंट, कारपेट और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध थीं। लेकिन लगातार बढ़ती गर्मी के कारण यह पर्याप्त नहीं हो पा रहा था। अब फोगिंग सिस्टम के शुरू होने से श्रद्धालुओं को चलते-चलते ठंडी फुहारों का अनुभव मिल रहा है, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक बन गई है। मंदिर समिति के अधिकारियों के अनुसार यह व्यवस्था फिलहाल प्रायोगिक तौर पर शुरू की गई है। यदि इसके अच्छे परिणाम सामने आते हैं, तो इसे पूरे महाकाल लोक क्षेत्र में लागू किया जाएगा। श्रद्धालुओं ने भी इस पहल को सराहते हुए कहा कि भीषण गर्मी में यह व्यवस्था बड़ी राहत दे रही है। मंदिर प्रशासन का यह कदम साफ तौर पर दर्शाता है कि आस्था के साथ-साथ भक्तों की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर आधुनिक मशीनों से हो रहा सड़क का निर्माण, सिंहस्थ कार्यों को मिली गति

सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण में पीक्यूसी पेवर मशीन से लेवल की गड़बड़ी भी दूर हुई

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ के तहत उजरखेड़ा से मोहनपुरा तक निर्माणाधीन सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य में पीक्यूसी पेवर आधुनिक मशीन के माध्यम से कार्य तेजी गति से हो रहे है। आधुनिक मशीन के माध्यम से निर्माणाधीन सड़क कार्य में लेवल की गड़बड़ी की संभावना भी नही रहती है। इसके माध्यम से एक जैसी सतही सड़क का निर्माण किया जाता है।

सिंहस्थ 2028 महापर्व के विश्व स्तरीय आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा सिंहस्थ महापर्व के कार्य जल्दी हो, गुणवत्ता पूर्ण होकर सुरक्षित रूप से हो इसके लिए आधुनिक मशीनों का उपयोग करते हुए शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं का आगमन होगा। आम जनता से जुड़ा मामला होने से सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के निर्देश के बाद से ही शासन और प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है। महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक स्नान कराने के लिए अधोसंरचना विकास कार्यो का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के लिए सड़क कनेक्टीविटी की जा रही है। सिंहस्थ के तहत निर्माणाधीन उजरखेड़ा से मोहनपुरा तक सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने पीक्यूसी पेवर मशीन से सीसी सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जानकारी ली।

इंदौर उज्जैन मार्ग से ट्रक में भारी मिली 45 लाख की अवेध बीयर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार रविवार रात में सूचना मिलने पर इंदौर उज्जैन मार्ग निनोरा टोल से पुलिस ने एक ट्रक को पकड़ा। जिसमें बीयर की पेटियां भरी हुई थी। दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सूचना मिली थी कि गुजरात पासिंग ट्रक क्रमांक जीजी 17 यू यू 9877 में अवैध शराब का परिवहन हो रहा है जो इंदौर की ओर जा रहा है। सूचना पर उप निरीक्षक हेमंत सिंह जादौन, अनिल ठाकुर, प्रधान आरक्षक दिग्विजयसिंह, आरक्षक मुकेश मालवीय, कमल जसौदिया, अनिल हाड़ा, जगदीश सोनी, राजेश की टीम बनाई गई और ट्रक को निनोरा के समीप रोका गया। जिसमें रवि पिता जुबान सिंह चौहान 22 साल और गमरा पिता सुरसिंह गुजरिया 26 साल निवासी ग्राम रामसिंह कि चोकी थाना अलीराजपुर जिला अलीराजपुर सवार थे। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 900 पेटी बीयर की भरी होना पाई गई। पूछताछ में बीयर और परिवहन संबंधित दस्तावेज नहीं पाए गए। मामला अवैध परिवहन का होने पर ट्रक को जप्त किया गया और दोनों को हिरासत में लेकर प्रकरण दर्ज किया गया। ट्रक 55 लाख कीमत का होना सामने आया है उसमें भरी शराब 45 लख रुपए की है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि इतनी अधिक मात्रा में बियर कहां से ट्रक में भारी गई थी और कहां ले जाए जा रही थी।

उज्जैन में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच हुई नीट परीक्षा

9 केंद्रों पर 4693 परीक्षार्थी हुए शामिल, डिजिटल जैमर और लाइव स्ट्रीमिंग से हुई निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) रविवार को उज्जैन शहर के 9 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से हुई। इस महत्वपूर्ण परीक्षा में जिले भर से कुल 4693 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। प्रशासन द्वारा किए गए कड़े सुरक्षा इंतजामों और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के चलते परीक्षा पारदर्शी वातावरण में आयोजित की गई।

परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 11 बजे से शुरू कर दिया गया था। निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा दोपहर 2 बजे प्रारंभ हुई। केंद्रों पर पहुंचने वाले अभ्यर्थियों की दो स्तर पर सघन तलाशी ली गई, जिसके बाद ही उन्हें प्रवेश दिया गया।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर डिजिटल जैमर लगाए गए थे, जिससे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर पूरी तरह रोक रही। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा की लाइव स्ट्रीमिंग की गई, जिसकी निगरानी सीधे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय द्वारा की जाती रही।

अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड का भी सख्ती से पालन कराया गया। केवल हल्के और साधारण कपड़ों में ही प्रवेश दिया गया, जबकि जूते, बड़े बटन वाले वस्त्र, धातु के आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहे। अधिकांश परीक्षार्थी निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सैंडल या चप्पल पहनकर केंद्रों पर पहुंचे। शहर के जिन प्रमुख केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई, उनमें शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शास्त्री नगर, गर्ल्स डिग्री कॉलेज (दशहरा मैदान), कालिदास कन्या कॉलेज, शासकीय माधव कॉलेज, महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उमावि और सरफास स्कूल शामिल रहे। सभी केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई थी, जिन्होंने पूरे समय व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। कुल मिलाकर, उज्जैन में नीट परीक्षा बिना किसी व्यवधान के हुई और प्रशासन की तैयारियों की सराहना की गई।

कम दबाव के कारण पुराने शहर में पानी संकट गहराया, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

टंकियां नहीं भरने से सैकड़ों घरों में नहीं पहुंचा पानी, निगमायुक्त ने कंट्रोल रूम में ली अफसरों की क्लास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच उज्जैन के पुराने शहर में रविवार को पानी की किल्लत ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। कम प्रेशर के कारण कई जल टंकियां पूरी तरह नहीं भर सकीं, जिससे सुदामानगर, क्षीरसागर, निजातपुरा, भागसीपुरा, कलालसेरी और मालीपुरा जैसे इलाकों में जल सप्लाई प्रभावित रही। हालात ऐसे बने कि लोगों को पार्षदों और अधिकारियों तक फोन करना पड़ा।

मामला बढ़ने पर नगर निगम के जिम्मेदारों को देवासगेट कंट्रोल रूम पहुंचना पड़ा, जहां करीब डेढ़ घंटे तक व्यवस्थाओं की समीक्षा हुई। निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि जब पानी उपलब्ध है और सिस्टम ठीक है, तो जनता तक पानी क्यों नहीं पहुंच रहा? समस्या का समाधान हर हाल में किया जाए।

पुरानी लाइनें बनीं बड़ी परेशानी- शहर में जल टंकियों की संख्या 40 से अधिक हो चुकी है, लेकिन पाइपलाइन सिस्टम पुराना और सीमित क्षमता वाला है। नतीजा—पानी का दबाव टंकियों तक पर्याप्त नहीं पहुंच पाता। टंकियां अधूरी भरती हैं और जब सप्लाई शुरू होती है तो पाइपलाइन में प्रेशर खत्म हो जाता है।इस तकनीकी कमी का खामियाजा सीधे आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

कंट्रोल रूम में जवाब-तलब- देवासगेट स्थित कंट्रोल रूम में निगमायुक्त और अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने पीएचई विभाग के इंजीनियरों को तलब किया। अधिकारियों ने दावा किया कि अधिकांश टंकियां भरी थीं और प्रेशर पर्याप्त था, लेकिन जमीनी स्थिति इससे उलट निकली। इस पर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि रातभर मॉनिटरिंग कर असली समस्या का पता लगाया जाए। मिस मैनेजमेंट बर्दाश्त नहीं होगा, उन्होंने साफ कहा।

इन समस्याओं से जूझ रहे लोग

-कई इलाकों में पानी का प्रेशर बेहद कम

-कुछ स्थानों पर गंदा पानी पहुंचने की शिकायत

-टंकियां पूरी नहीं भरने से सप्लाई बाधित

-तय समय पर पानी नहीं मिलने से दैनिक जीवन प्रभावित

गर्मी ने बढ़ाई मुश्किल- गर्मी के मौसम में पानी की खपत अचानक बढ़ गई है। कूलर, साफ-सफाई और अन्य जरूरतों के कारण मांग ज्यादा है। ऐसे में कम प्रेशर की समस्या और गंभीर हो गई है। पुराने शहर की स्थिति इसलिए भी ज्यादा खराब है क्योंकि यहां केवल करीब 30त्न घरों में ही बोरिंग की सुविधा है। बाकी लोग पूरी तरह नगर निगम की सप्लाई पर निर्भर हैं।

वैकल्पिक साधनों पर बढ़ी निर्भरता

नगर निगम की सप्लाई बाधित होने पर लोग अब निजी टैंकर, हैंडपंप और पुराने जलस्त्रोतों पर निर्भर हो रहे हैं। वहीं गिरता जलस्तर इस संकट को और गहरा रहा है।

अधिकारियों का दावा, जल्द होगा समाधान- अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने माना कि समस्या मिस मैनेजमेंट की लग रही है। उन्होंने इंजीनियरों को तुरंत कारण तलाशने और सुधार करने के निर्देश दिए हैं।

शादी 2 दिन बाद मायके आई दुल्हन ने मायके में खाया जहर

उपचार के दौरान रात 12 बजे मौत, कारण अज्ञात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम बाढ़ कुम्मेद से 23 वर्षीय महिला को परिजन गंभीर हालत में उज्जैन लेकर पहुंचे थे। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान रात 12 बजे महिला की मौत हो गई 15 दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी और 2 दिन बाद ही ससुराल से मायके आ गई थी।

बताया जा रहा है कि बाढ़ कुम्मेद में रहने वाली सपना पति हर्षदीप सोलंकी 23 वर्ष को परिजन शनिवार शाम को चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे उसकी हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल ले जाया गया। सपना ने जहरीला पदार्थ खाया था उपचार के दौरान रात में मौत हो गई। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान भाई अजय ने बताया कि सपना की शादी 11 अप्रैल को हुई थी वह अपने ससुराल गई थी 13 अप्रैल को दादी गीता बाई का निधन होने पर मायके आ गई थी उसके बाद से मायके में रह रही थी। सपना का किसी से कोई विवाद नहीं था ना ही उसने किसी को कुछ बताया था। उसकी हालत बिगड़ती देख उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए थे। शादी के 15 दिन बाद ही जहर खाकर अपनी जान देने वाली महिला के संबंध में पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच की बात कही गई है।

पति से विवाह होने पर खाए नींद की गोलियां- तराना तहसील के नवाखेड़ा में रहने वाली सपना पति ईश्वर 35 वर्ष ने पति से विवाद होने के बाद नींद की गोलियां खाली हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया है। बताया जा रहा है कि सपना मायके नैनावद शादी में गई थी जहां पति से उसका विवाद हो गया था शादी से लौटने के बाद ससुराल में भी दोनों के बीच कहा सुनी हुई और सपना ने मेडिकल से लाकर नींद की गोलियां खाली पूर्व में भी वह इसी तरह की हरकत कर चुकी है।

महाकाल मंदिर में श्रावण से पहले पूरे किए जाएं सभी प्रोजेक्ट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। कलेक्टर और मंदिर प्रशासक ने शनिवार को मंदिर के आंतरिक व बाहरी क्षेत्रों का दौरा किया और चल रहे कामों की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने मुख्य प्रवेश मार्ग से लेकर महाराजवाड़ा तक बनने वाली 24 मीटर सड़क को प्राथमिकता से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही श्रावण मास को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर, बड़ा गणेश, महाकाल रोड, 24 खंबा रोड सहित आसपास के सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित एजेंसियों को दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों के चलते श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। दर्शन पथ पर आवागमन सुचारू बनाए रखने के साथ सुरक्षा और सुविधा के सभी इंतजाम करने को कहा गया है। गर्मी के मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाओं पर भी जोर दिया गया। दर्शन मार्ग पर छाया, फॉगिंग सिस्टम, मैटिंग और पेयजल की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने और उसकी लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए, ताकि दर्शनार्थियों को राहत मिल सके। अधिकारियों ने निर्माण एजेंसियों को सख्त हिदायत दी कि सभी कार्य 24 घंटे जारी रखते हुए तय समयसीमा में पूरे किए जाएं। प्रशासन का लक्ष्य है कि श्रावण मास में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बुराइयों को छोड़कर अच्छाई अपनाना ही सच्ची प्रेमा भक्तिः निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कुल्लू के ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में आयोजित संत निरंकारी मिशन का भव्य समागम आस्था और श्रद्धा का जीवंत उत्सव बन गया। उज्जैन के मीडिया सहायक विनोद गज्जर के अनुसार इस समागम से पूर्व युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए निरंकारी यूथ सिंपोजियम का भी आयोजन किया गया। विशाल मैदान में उमड़े हजारों श्रद्धालु इस बात का प्रमाण थे कि आध्यात्मिकता आज भी लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। हिमाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों भक्तों ने सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के दर्शन कर आत्मिक शांति और प्रेरणा का अनुभव किया।

विशाल सत्संग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतगुरु माता ने कहा कि सच्ची भक्ति वही है जिसमें बुराइयों को छोड़कर केवल अच्छाई को अपनाया जाए। यह मात्र भक्ति नहीं बल्कि प्रेमा भक्ति है जो दिलों को जोड़ने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि अक्सर हम दूसरों की गलतियां निकालने में अपना कीमती समय गंवा देते हैं जबकि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर झांकें और नफरत को खत्म कर प्रेम तथा भाईचारे की भावना को बढ़ाएं। युवाओं के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उन्हें गलत ठहराना आसान है लेकिन उनकी राह में आने वाली चुनौतियों को समझना भी जरूरी है।

बाइक सवार युवकों को आयशर ने कुचला, एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। काम खत्म होने पर बाइक से तराना लौट रहे दो युवकों को आयशर ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को अस्पताल लाया गया। जहां एक की मौत हो गई। रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा गया। घायल का उपचार चल रहा है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि कानीपुरा मार्ग पर बनी मल्टी के सामने शनिवार देर शाम बाइक सवार दो युवकों को तेज गति से आई आयशर ने कुचल दिया था। गंभीर रूप से घायल हुए युवको को तत्काल चरक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पता चला कि एक का नाम समीर पिता शब्बीर 21 साल और दूसरा सोहेल निवासी मदारबड़ तराना है। घटना की जानकारी लगने पर परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। इस बीच गंभीर घायल समीर की रात में मौत हो गई। सुबह एसआई दिनेश भट्ट ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान परिजनों ने बताया कि समीर और सोहेल पेंटरी का काम करते थे। शनिवार को काम करने उज्जैन आए थे जहां से देर शाम वापस तराना लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार आयशर चालक की तलाश की जा रही है।

उन्हेल में कार ने महिला को मारी टक्कर, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। गमी में में जा रहे परिवार को एक कार चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, वही तीन बच्चे सहित चार घायल हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें कार पांचों को रौंदते हुए दिख रही है। शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर उन्हेल स्थित नई दिल्ली चौराहा निवासी जमीला बी 55 साल, तबस्सुम 40 साल, छह साल के बेटे इरशाद,13 साल की शिफा ओर 8 साल के फरहान के साथ गमी के कार्यक्रम में जा रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में जमीला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तबस्सुम,ईरशाद,शिफा ओर फरहान गंभीर घायल हो गए। चारों को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चरक हॉस्पिटल में रैफर कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें हादसे का शिकार पांचों सड़क के किनारे चल रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार आई कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मामले में उन्हेल टीआई संतोष चौहान ने बताया कि घायलों की स्थिति ठीक है। कार चालक के विरुद्ध केस दर्ज कार जांच कर रहे हैं।

श्री चन्द्रमोलेश्वर सेवा समिति द्वारा प्याऊ का शुभारम्भ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत पहुंचाने एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंछामन कॉलोनी स्थित गणेश मंदिर के गार्डन में श्री चन्द्रमोलेश्वर सेवा समिति उज्जैन द्वारा ठंडे पानी के प्याऊ का शुभारंभ कॉलोनी वासियों एवं समिति के पदाधिकारी द्वारा किया गया।

2 दिनों से फिर 40 डिग्री के पार जाने लगा तापमान

आज हो सकती है हल्की बूंदाबांदी, रात में भी सता रही गर्मी और उमस

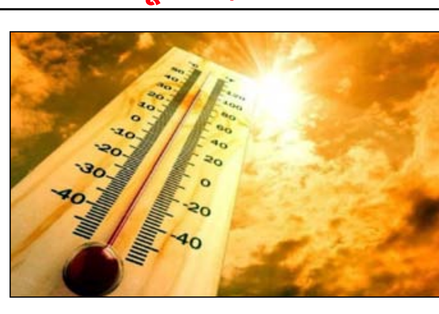

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले 2 दिनों से शहर का तापमान एक बार फिर 40 डिग्री के पार पहुंच रहा है। रात का तापमान भी 26 डिग्री के पार जा चुका है। इस कारण रात में भी गर्मी और उमस परेशान कर रही है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज दिन में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। इससे तापमान में और कमी आने की उम्मीद है।

वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री और परसों की अपेक्षा 0.6 डिग्री कम था। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री और कल की अपेक्षा 0.4 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक तापमान में तेजी की कोई संभावना नहीं है, बल्कि बादलों और बारिश के कारण तापमान 36 से 37 डिग्री तक भी जा सकता है, जिससे शहर को तीखी गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। 12 मई के बाद तापमान में दोबारा तेजी आने की संभावना है।

कैंसर पीड़ित बुजुर्ग 6 अप्रैल से लापता, सूचना देने वाले को 5100 रुपये का इनाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकड़ोन थाना क्षेत्र के ग्राम कड़ई निवासी 55 वर्षीय कैंसर पीड़ित रमेशचंद्र विश्वकर्मा बीते 6 अप्रैल से लापता हैं। वे अपना इलाज कराने के लिए अहमदाबाद गए थे, लेकिन वहां से लौटने के बाद से घर नहीं पहुंचे हैं। परिजनों द्वारा उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है और अब उनकी सही जानकारी देने वाले को 5100 रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। इस मामले में लापता बुजुर्ग की बेटी ने उज्जैन स्मार्ट सिटी कैमरा प्रभारी को आवेदन सौंपकर सीसीटीवी फुटेज खंगालने की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, कल सुबह लापता बुजुर्ग को रामघाट पर भी देखा गया था, जहां एक व्यक्ति उन्हें चावल खिला रहा था।

शाजापुर निवासी उनकी बेटी पूजा पत्नी बद्रीप्रसाद ने बताया कि पिता रमेशचंद्र विश्वकर्मा 6 अप्रैल 2026 को इलाज के लिए अहमदाबाद गए थे। वहां से वे उज्जैन तो आ गए, लेकिन घर नहीं पहुंचे। परिवार को सूचना मिली है कि 18 अप्रैल को उन्हें उज्जैन के पाइप फैक्ट्री चौराहे और कोठी रोड क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल के पीछे बैठे हुए देखा गया था।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मिल्क कैपिटल
बनने की दिशा में बढ़ते
मध्यप्रदेश के कदम
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
राज्य स्तरीय
दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक
सम्मेलन
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
4 मई, 2026 | मेला ग्राउंड, ग्वालियर
समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
समृद्ध पशुपालक - समृद्ध प्रदेश
दुग्ध उत्पादन
• प्रतिदिन 10 लाख लीटर दुग्ध संकलन
• 26 हजार गांवों को जोड़कर 52 लाख लीटर प्रतिदिन संकलन का लक्ष्य
• 226 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन के साथ मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर
दुग्ध प्रसंस्करण में वृद्धि
• इंदौर में प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र प्रारंभ
• 5 वर्षों में दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों में ₹ 3034 करोड़ का निवेश
• 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित
नस्ल सुधार एवं स्वास्थ्य
• हिरण्यगर्भा अभियान से नस्ल सुधार
• गोरस मोबाइल ऐप से संतुलित पशु आहार की जानकारी एवं मोबाइल पशु चिकित्सा
• पशु प्रजनन, पशु पोषण और पशु स्वास्थ्य के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि
दुग्ध समितियां
• वर्तमान में 7000+ ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां कार्यशील
• 1752 नयी दुग्ध सहकारी समितियां गठित
निराश्रित गौ-वंश प्रबंधन
• निराश्रित गौ-वंश के बेहतर प्रबंधन एवं संरक्षण हेतु 6000+ एकड़ भूमि आवंटित
• गौ-शाला निर्माण में निजी भागीदारी
उन्नत तकनीक उत्पादन
• पशु चारा संयंत्रों का आधुनिकीकरण और निर्माण
• डेयरी वैल्यू चैन का डिजिटलीकरण
मध्यप्रदेश में पशुपालकों की आय वृद्धि के लिए दुग्ध उत्पादन और संकलन बढ़ाने, उन्नत नस्ल के पशु तैयार करने और आत्मनिर्भर गौ-शालाओं तथा निराश्रित गौ-वंश के स्थायी आश्रय जैसे हमारे प्रयासों से वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल के रूप से जाना जाएगा।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
D11015/26
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP